सोमवार
27 जून 2022

पृष्ठ 4

बहुत अधिक पसीना आना हो सकता है इस बीमारी का संकेत!

पृष्ठ 5

घूमर में सैयामी खेर के साथ रोमांस करेंगे अभिषेक बच्चन

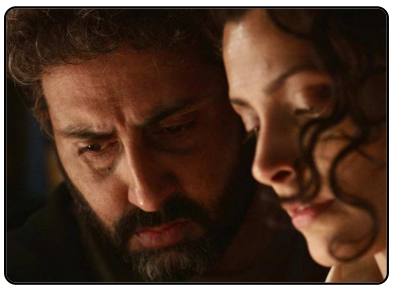

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 144
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

सौभाग्य वीर से डरता है और कायर को डराता है।
– अज्ञात

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

कावड़ यात्रा की सुरक्षा पर कई राज्यों के अधिकारियों की बैठक

रिकॉर्ड 4 करोड़ कावड़िए आने की उम्मीद

विशेष संवाददाता

देहरादून। कावड़ यात्रा की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आज डीजीपी अशोक कुमार की अध्यक्षता में इंटरस्टेट कोऑर्डिनेशन के मुद्दे पर पुलिस मुख्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक हुई जिसमें उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा तथा हिमाचल सहित तमाम राज्य के पुलिस अधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक के बारे में जानकारी देते हुए डीजीपी अशोक कुमार ने बताया कि इस साल चार धाम यात्रा की तरह ही कावड़ यात्रा में भारी शिव भक्तों की भीड़ उमड़ने की संभावना है। कोरोना काल में बंद रही कावड़ यात्रा में इस साल चार करोड़ यात्रियों के आने की संभावना जताई गई है। उन्होंने कहा कि आज तमाम राज्यों के अधिकारियों के साथ हुई बैठक में कावड़ यात्रा को सुरक्षित बनाने के तमाम पहलुओं पर चर्चा हुई है।

उन्होंने कहा कि कावड़ यात्रा में पूरे देश से कावड़ लेने के लिए श्रद्धालु

●10 हजार सुरक्षाकर्मी होंगे तैनात, सीसीटीवी से रखेंगे नजर

हरिद्वार आते हैं तथा गंगोत्री तक जाते हैं। उन्होंने कहा कि यात्रा को सुव्यवस्थित रखने के लिए सभी उन राज्यों का सहयोग भी जरूरी है जिन राज्यों से बड़ी संख्या में यात्री आते हैं। उन्होंने कहा कि कावड़ यात्रा की सुरक्षा के लिए 10 हजार सुरक्षा कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। उन्होंने कहा कि बैठक में आपराधिक पृष्ठभूमि वाले अपराधियों पर नजर रखने से लेकर यात्रा का रूट क्या रहेगा। ट्रैफिक जाम की स्थिति से कैसे निपटा जाएगा तथा सामान्य यातायात के लिए रूट डायवर्जन की क्या व्यवस्था जरूरी होंगी आदि तमाम मुद्दों पर विचार किया गया है। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी कैमरों के जरिए सभी यात्रा मार्गों और विशेष स्थलों पर निगरानी रखी जाएगी।

उन्होंने कहा कि कावड़ यात्रियों के लिए जो गाइडलाइन तैयार की जाएगी उसका अनुपालन सभी कावड़ियों को करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि कावड़ यात्रा में किसी भी तरह का हुड़दंग या अव्यवस्था फैलाने की कोशिश करने वालों से सख्ती से निपटा जाएगा।

उल्लेखनीय है कि 14 जुलाई से कावड़ यात्रा शुरू होगी जो पूरे माह चलेगी। इसमें कोई संदेह नहीं है कि इस साल रिकॉर्ड संख्या में कांवड़िये हरिद्वार पहुंच सकते हैं। इसलिए कांवड़ियों की भीड़ को नियंत्रित करना पुलिस प्रशासन के लिए चुनौतीपूर्ण कार्य होगा।

मानसून की आहट के साथ अतिवृष्टि का अलर्ट

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में मानसून दस्तक देने वाला है राज्य में हो रही प्री मानसूनी बारिश के कारण पहले ही मौसम का मिजाज बदला हुआ है लेकिन राज्य में 28-29 को मानसून पहुंचते ही भारी बारिश की संभावना जताई गई है।

मौसम विभाग के निदेशक डॉ विक्रम सिंह का कहना है कि एक-दो दिन में मानसून पूरे राज्य में पहुंच जाएगा। उनका कहना है कि आज जहां राज्य के कुछ पर्वतीय जिलों में हल्की बारिश हो सकती है वहीं उन्होंने 28-29 जून को पूरे राज्य में भारी बारिश की संभावना जताते हुए येलो अलर्ट जारी किया गया है। उन्होंने इस दौरान खास तौर पर राज्य में आने वाले चारधाम यात्रियों को सतर्कता बरतने को कहा गया है।

मौसम विभाग की चेतावनी के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि राज्य में अतिवृष्टि की संभावना के मद्देनजर सुरक्षा के सभी इंतजाम किए जा रहे हैं। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों को अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए गए हैं। शासन स्तर पर सभी जिलों के अधिकारियों को सतर्कता

❑28 और 29 को पूरे राज्य में भारी बारिश
❑शासन-प्रशासन जुटा सुरक्षा प्रबंध में

बरतने के निर्देश दिए गए हैं। आपदा प्रबंधन और प्रशासन से जुड़े सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की छुट्टी पर भी रोक लगा दी गई है तथा लोक निर्माण विभाग की टीमों को सतर्क रहने को कहा गया है जिससे अतिवृष्टि के कारण सड़कें टूटती या बंद होती है तो उन्हें जल्द से जल्द ठीक किया जा सके।

उधर केदारनाथ से प्राप्त समाचार के अनुसार आज भी केदारघाटी में सुबह से ही बारिश हो रही है तथा ठंड का प्रकोप बढ़ गया है लेकिन यात्रा जारी है तथा

◀◀ शेष पृष्ठ 8 पर

राष्ट्रपति चुनावः यशवंत सिन्हा ने किया नामांकन

नई दिल्ली। राष्ट्रपति चुनाव की सरगर्मियां जोरों पर हैं, जहां सोमवार को विपक्ष के संयुक्त उम्मीदवार यशवंत सिन्हा ने संसद भवन पहुंचकर अपना नामांकन किया।

इस दौरान कांग्रेस की ओर से सांसद राहुल गांधी, एनसीपी चीफ शरद पवार, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव, नेशनल कॉन्फ्रेंस चीफ फारूक अब्दुल्ला और सीपीएम की ओर से सीताराम येचुरी मौजूद रहे। इसके अलावा अशोक गहलोत, जयंत चौधरी, तेलंगाना राष्ट्र समिति के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव, सांसद नामा नागेश्वर राव, रंजीत रेड्डी, सुरेश रेड्डी, बीबी पाटिल और प्रभाकर रेड्डी भी सिन्हा के नामांकन में शामिल हुए। दरअसल विपक्षी दलों ने शुरू में ही संयुक्त उम्मीदवार की घोषणा का प्लान बना लिया था। इसके बाद कई दौर की बैठकें हुईं, जिसमें गोपालकृष्ण गांधी और फारूक अब्दुल्ला के नाम की चर्चा हुई, लेकिन दोनों ने चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया। इसके बाद टीएमसी नेता यशवंत सिन्हा का नाम फाइनल किया गया, जिनका ज्यादातर विपक्षी दलों ने समर्थन किया।

इस नामांकन में सोनिया गांधी भी शामिल होतीं, लेकिन स्वास्थ्य खराब होने के चलते सिर्फ राहुल ही पहुंचे। विपक्षी दलों ने टीएमसी नेता को राष्ट्रपति चुनाव का उम्मीदवार घोषित किया है, लेकिन यशवंत के नामांकन में ममता बनर्जी नहीं पहुंचीं। टीएमसी नेताओं के मुताबिक सीएम के राज्य में कई प्रमुख कार्यक्रम थे, जिस वजह से उन्होंने अभिषेक बनर्जी को भेजा था, जो नामांकन में शामिल हुए।

देश में पिछले 24 घंटे में सामने आए कोरोना के 17 हजार से ज्यादा मामले, 21 मरीजों की मौत

नई दिल्ली । भारत में एक दिन में कोविड-१६ के १७,०७३ नए मामले सामने आए है। इससे देश में कोरोना वायरस से अब तक संक्रमित हो चुके लोगों की संख्या बढ़कर ४,३४,०७,०४६ हो गई है। जबकि दैनिक संक्रमण दर पांच प्रतिशत को पार कर गई, जो बीते चार महीने में सबसे अधिक है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से सोमवार सुबह आठ बजे जारी अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, भारत में संक्रमण से २१ और लोगों की मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर ५,२५,०२० हो गई है। वहीं, देश में कोविड-१६ के उपचाराधीन मरीजों की संख्या ६२,५७६ से बढ़कर ६४,४२० पर पहुंच गई है, जो कुल मामलों का ०.२२ प्रतिशत है।

आंकड़ों के मुताबिक, पिछले २४ घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में १,८४४ की बढ़ोतरी हुई है। वहीं, मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर ६८.५७ प्रतिशत है। अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, भारत में दैनिक संक्रमण दर ५.६२ प्रतिशत, जबकि साप्ताहिक संक्रमण दर ३.३६ फीसदी है। दैनिक संक्रमण दर १३६ दिन के अंतराल के बाद पांच प्रतिशत को पार कर गई है।आंकड़ों के मुताबिक, देश में अभी तक कुल ४,२७,८७,६०६ लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं और कोविड-१६ से मृत्यु दर १.२१ प्रतिशत है। वहीं, राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोविड-१६ रोधी टीकों की १६७.११ करोड़ से अधिक खुराक दी जा चुकी हैं। गौरतलब है कि देश में सात अगस्त २०२० को संक्रमितों की संख्या २० लाख, २३ अगस्त २०२० को ३० लाख और पांच सितंबर २०२० को ४० लाख से अधिक हो गई थी। देश में पिछले साल चार मई को संक्रमितों की संख्या दो करोड़ और २३ जून २०२१ को तीन करोड़ के पार पहुंच गई थी। इस साल २५ जनवरी को मामले चार करोड़ के पार हो गए थे।

दून वैली मेल

संपादकीय

उपचुनाव नतीजों के संकेत

लोकसभा की तीन और विधानसभाओं की सात सीटों के लिए हुए उपचुनावों में भाजपा ने कुल 10 सीटों में से 5 सीटों पर जीत दर्ज कर एक बार फिर स्वयं की श्रेष्ठता को सिद्ध कर दिया है। यह चुनावी नतीजे इसलिए भी भाजपा के लिए अधिक महत्वपूर्ण हैं क्योंकि उत्तर प्रदेश की जिन 2 लोकसभा सीटों आजमगढ़ और रामपुर के लिए चुनाव हुए थे वह दोनों अखिलेश यादव और आजम खान के इस्तीफे से खाली हुई थी। सपा का गढ़ माने जाने वाले रामपुर व आजमगढ़ में सपा की यह हार उसके लिए एक बड़ा झटका है। अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में सपा की हार के बाद प्रदेश की राजनीति में सपा को और अधिक मजबूत बनाने के लिए आजमगढ़ की संसदीय सीट से इस्तीफा देकर नेता विपक्ष के रूप में अपनी भूमिका को तवज्जो दिया गया था लंबे समय तक जेल में रहने के बाद बाहर आए आजम खान स्वयं को किए गए उत्पीड़न को मुद्दा बनाकर अपना राजनीतिक वर्चस्व कायम रखना चाहते थे, लेकिन वह इसमें नाकाम साबित हुए हैं। अखिलेश और आजम के गढ़ों पर भाजपा ने अपना भगवा झंडा फहरा कर यह संदेश दे दिया है कि उत्तर प्रदेश में अब सपा की भी दाल गलने वाली नहीं है। अखिलेश और आजम इन दोनों ही सीटों पर अपनी-अपनी पत्नियों को प्रत्याशी बनाना चाहते थे लेकिन शायद उन्हें भी इस बात का पूर्वाभास हो गया था कि परिणाम उनके पक्ष में रहने वाले नहीं हैं इसलिए दूसरे प्रत्याशियों पर दांव लगाया गया था। इस जीत को योगी आदित्यनाथ ने लोकतंत्र की जीत बताया है। जहां तक पंजाब के संगरूर सीट की बात है जो भगवंत मान के इस्तीफे से खाली हुई थी इस सीट पर आम आदमी पार्टी की हार भी उसके लिए बड़ा आघात है। प्रचंड बहुमत के साथ पंजाब की सत्ता पर काबिज हुई आप और भगवंत मान के कामकाज को लेकर जनता का भ्रम महज 3 महीनों में ही टूट चुका है। पंजाब की कानून व्यवस्था जो एक बड़ा मुद्दा है, को लेकर जनता में आप सरकार के खिलाफ भारी नाराजगी है। उसके मुख्यमंत्री भगवंत मान की सीट को वह नहीं बचा पाई इसके संदेश साफ है कि सत्ता में आना अलग बात है और सत्ता में बने रहना अलग। यही नहीं भाजपा ने त्रिपुरा की 4 विधानसभा सीटों में से 3 सीटें जीतकर तृणमूल कांग्रेस को यह संदेश देने में सफल रही है कि भाजपा हार मानने वाली नहीं है। कांग्रेस ने 7 विधानसभा सीटों में से 2 सीटों पर जीत दर्ज कर अपनी मौजूदगी बनाए रखी है। लेकिन उत्तर प्रदेश में सपा की हार और भाजपा की जीत 2024 के लिए एक बार फिर बड़ा संकेत अपने पीछे छोड़ गई है। यही बात सीएम योगी ने भी कही है कि यह चुनाव 2024 का बड़ा संकेत है। रामपुर और आजमगढ़ तक की जनता अब आजम खान और अखिलेश से आजिज आ चुकी है उसकी नाराजगी 2024 में किस स्तर तक देखी जाएगी अलग बात है लेकिन उत्तर प्रदेश के राजनीतिक महत्व को देखते हुए भाजपा के लिए यह जीत एक सुखद अहसास जरूर है।

बुलडोजर का इंजन चलता रहेगा

हरिशंकर व्यास

उत्तर प्रदेश सरकार बुलडोजर का चुनिंदा इस्तेमाल कर रही है। उत्तर प्रदेश की देखा-देखी राजधानी दिल्ली में भी बुलडोजर से न्याय किया गया और मध्य प्रदेश में भी इसका प्रयास हुआ है। लेकिन अंततः बुलडोजर का इस्तेमाल सामाजिक विभाजन बढ़ाने और समाज के सामने नया संकट खड़ा करने का कारण बनने वाला है। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में 10 जून को जुमे की नमाज के बाद प्रदर्शन हुए, जिसके दौरान हिंसा भी हुई। उसके दो दिन बाद 12 जून को एक आरोपी का पूरा घर गिरा दिया गया। यह कार्रवाई जिस अंदाज में हुई उससे लगा कि सरकार ने जुमे की नमाज के बाद हुई हिंसा का बदला लेने के लिए की है। तभी अब जब उत्तर प्रदेश सहित कई भाजपा शासित राज्यों में 'अग्निपथ' योजना के विरोध में हिंसा हो रही है, ट्रेनें जलाई जा रही हैं और रेलवे स्टेशनों पर तोड़-फोड़ हो रही है तो यह सवाल उठ रहा है कि अब क्यों नहीं बुलडोजर चलाए जा रहे हैं? आरोपियों की पहचान क्यों नहीं की जा रही है, उनके पोस्टर बनवा कर क्यों नहीं लगाए जा रहे हैं? सरकारी संपत्ति को हो रहे नुकसान की भरपाई उनसे क्यों नहीं कराई जा रही है?

जाहिर है बुलडोजर एक खास समुदाय के लिए आरक्षित है। बुलडोजर का मकसद कानून का राज बनाना या कानून का डर बैठाना नहीं है, बल्कि उसके जरिए यह मैसेज देना है कि अमुक समुदाय को ठीक किया जा रहा है। इससे तात्कालिक राजनीतिक लाभ तो मिल रहा है लेकिन लंबे समय के लिए समाज का ताना-बाना इस तरह डैमेज हो रहा है कि बाद में उसे रिपेयर नहीं किया जा सकेगा। देश के 20 करोड़ मुसलमानों के मन में पराएपन का भाव जितना गहरा होगा, समाज के अंदर तनाव उतना बढ़ता जाएगा। एक निश्चित सीमा के बाद यह तनाव टूट का कारण बन सकता है। पहले ही हिजाब और हलाल के विवाद से या गौरक्षा और हर मस्जिद में शिवलिंग की तलाश से विभाजन बढ़ा है। अब अगर बुलडोजर से इसी तरह चुनिंदा कार्रवाई चलती रही तो पूरे देश में सचमुच पानीपत का मैदान बनने से कोई नहीं रोक सकता है। तब जो आग लगेगी उसकी सिर्फ कल्पना की जा सकती है।

सरलीकरण, समाधान, निस्तारिकरण एवं संतुष्टि को अपनी कार्यपद्धति का सिद्धांत बनायाः धामी

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि हमने सरलीकरण, समाधान, निस्तारिकरण एवं संतुष्टि को अपनी कार्यपद्धति का सिद्धांत बनाया है और इसी मूल मंत्र को आधार बना कर जनसमस्याओं को सुलझाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मसूरी स्थित लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी में आयोजित अमृत महोत्सव डिजिटल प्रदर्शनी एवं आजादी का अमृत महोत्सव सेमिनार का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की, एवं परिसर में 22 राज्यों द्वारा लगाए गए हस्तकला स्टालों का अवलोकन किया। कृषि मंत्री गणेश जोशी भी इस दौरान उनके साथ रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन व प्रेरणा से 'मिशन कर्मयोगी' के अन्तर्गत एवं संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के साथ समृद्ध भारतीय संस्कृति की व्यापक स्तर पर प्रचारित-प्रसारित करने हेतु डिजिटल प्रदर्शनी के माध्यम से एक महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। उन्होंने प्रशिक्षुओं को सौभाग्यशाली बताते हुए कहा कि आप लोग 'आजादी का अमृत महोत्सव' वर्ष में प्रशिक्षण प्राप्त कर 'मिशन कर्मयोगी' के तहत अपना काम शुरू करेंगे। उन्होनें कहा आगामी 25 वर्ष में यह देश जितना विकास करेगा, उसमें बहुत बड़ी भूमिका आप सभी अधिकारियों की होगी। भारतीय सिविल सेवकों को और भी अधिक रचनात्मक, सृजनात्मक, विचारशील, नवाचारी, अधिक क्रियाशील, प्रगतिशील, ऊर्जावान, सक्षम, पारदर्शी और प्रौद्योगिकी समर्थ बनाते हुए भविष्य के लिए तैयार करना "मिशन कर्मयोगी" का मुख्य लक्ष्य है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने पर हम आज उत्सव मना रहे हैं। उन्होनें कहा यह समय ना केवल इस देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर बलिदानियों को नमन करने का है बल्कि उनके सपनों को साकार करने का भी है। उन्होनें सभी स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करते हुए कहा की हम और हमारी आने वाली पीढ़ियां उनके द्वारा किए संघर्ष की सदा सर्वदा ऋणी रहेंगी। उन्होनें प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी भारत के जन-जन को कर्तव्य के लिए जागरूक करके, इस देश में बहुत बड़ा बदलाव ला सकते है। उन्होनें कहा आप सभी को इस देश के अलग अलग हिस्सों में जाकर कर्तव्य भावना का विस्तार करना है, जन-जन में कर्तव्य बोध जागृत करना है। सामाजिक लक्ष्य की प्राप्ति के लिए दो महत्वपूर्ण कारक होते हैं, पहला नेतृत्व कौशल व दूसरा कुशल प्रबंधन।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने सरलीकरण, समाधान, निस्तारिकरण एवं संतुष्टि को अपनी कार्यपद्धति का सिद्धांत बनाया है और इसी मूल मंत्र को आधार बना कर जनसमस्याओं को सुलझाया जा रहा है। उन्होनें कहा आप सभी भी आने वाले समय में सरलीकरण, समाधान, निस्तारिकरण मंत्र के साथ जन सेवा करेंगे ऐसी मैं अपेक्षा करता हूं। उन्होनें कहा हम उत्तराखंड के सतत और सर्वांगीण विकास का विकल्प रहित संकल्प लेकर आगे बढ़ रहे हैं और अपने इस संकल्प को हम समयबद्ध अवधि में निश्चित ही सिद्ध कर के दिखाएंगे। उन्होंने कहा हमारा राज्य जब अपने 25वें वर्ष में प्रवेश करेगा अर्थात रजत जयंती मनाएगा, तब यह राज्य देश के श्रेष्ठ राज्य में होगा। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि हमारी समृद्ध संपदाओं के आधार पर तय की गई नीतियों के कारण ही आज विश्व भारत की ओर आशा भरी दृष्टि से देख रहा है। उन्होनें कहा हम उत्तराखंड में निरंतर गुड गवर्नेस पर फोकस कर रहे हैं और जन सरोकारी कार्यक्रमों को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होनें कहा आज भी मैं अपने को विद्यार्थी मानता हूं। सचिव गोविंद मोहन ने अपने संबोधन में कहा की हमारा उद्देश्य वर्तमान परिस्थितियों के विकास के साथ ही अपने महान वीरों के बलिदान को याद करना भी है।

इस अवसर पर लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी के निदेशक श्रीनिवास कटिकितला, संयुक्त निदेशिका श्रीमती राधिका रस्तोगी, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी के फैकल्टी मैम्बर्स एवं भारतीय प्रशासनिक सेवा व रॉयल भूटान सिविल सर्विसेज के 2020 व 2021 बैच के प्रशिक्षु अधिकारी एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

योनिष्ट इन्द्र सदने अकारि तमा नृभिः पुरुहूत प्र याहि।
असो यथा नोऽविता वृधे च ददो वसूनि ममदश्च सोमैः।।

(ऋग्वेद ७-२४-१)

हे दीप्तिमान परमेश्वर ! आपके लिए उपयुक्त स्थान हमारे हृदय में है। आप अपनी शक्तियों के साथ हमारे हृदय में विराजमान होकर हमें अनुग्रहित करें। हमारे संरक्षक बने और परहित के कार्य करने के लिए हमें प्रेरित करें। हमें अपने सोमरस से आनंदित करें।

O glorious God ! The right place for you is in our hearts. May you grace us with your powers by being seated in our hearts. Be our patron and inspire us to do welfare work for others. Make us rejoice with your Som Ras (elixir). (Rig Veda 7-24-1)

पति पर मारपीट व भांजे पर छेडछाड का आरोप, मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। पति पर मारपीट कर जान से मारने की धमकी देना व उसके भांजे के द्वारा छेडछाड कर बलात्कार का प्रयास का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार इन्द्रेश नगर निवासी महिला ने एसएसपी को प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि उसका विवाह राजकुमार पुत्र श्याम लाल निवासी मंगोल पुरी दिल्ली के साथ हुआ था। राजकुमार उसको बुरी तरह से मारता पीटता थां। महिला हेल्प लाईन देहरादून में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। हैल्प लाईन में समझौता होने के बाद राजकुमार उसको अपने साथ ले गया। 28 नवम्बर 2021 को वह जब अपने निवास स्थान दिल्ली पर थी तो वहां पर राजकुमार का भांजा रोहित घर पर आया और उसके साथ जबरदस्ती कर इज्जत लुटने का प्रयास करने लगा तथा उसके शोर मचाने पर वहां से भाग गया तथा उसने अपने पति राजकुमार को इस घटने के बारे में शांम को बताया तो उसने उसके साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

जातिवार जनगणना की मांग

हल्द्वानी (आरएनएस)। पीपल्स पार्टी ऑफइंडिया डेमोक्रेटिक ने राज्य में जातिवार जनगणना की मांग की है। मामले में रविवार को छत्रपति शाहूजी महाराज की जयंती के मौके पर राष्ट्रपति को सिटी मजिस्ट्रेट के माध्यम से ज्ञापन भेजा गया। पार्टी के उत्तराखंड अध्यक्ष एडवोकेट डॉ. प्रमोद कुमार ने कहा कि जातिवार जनगणना के बाद ही पिछड़े व वंचित वर्ग को न्याय मिल पाएगा। इस दौरान मनोज कुमार, चंद्रप्रकाश, माया देवी, सचिन चंद्र, ललित कोहली, विनोद कुमार, सईद अहमद, संजय कुमार, प्रेम लाल आदि मौजूद रहे।

हल्द्वानी में अर्द्ध सैनिकों के लिए अस्पताल खोलने की मांग

हल्द्वानी (आरएनएस)। पूर्व केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल कार्मिक संगठन ने रविवार को नगर निगम सभागार में त्रैमासिक बैठक का आयोजन किया। इसमें अर्द्ध सैनिकों की समस्याओं पर चर्चा की गई। हल्द्वानी में केन्द्र सरकार की स्वास्थ्य योजना के तहत अस्पताल खोलने, संगठन का निदेशालय देहरादून में खोलने और मदिरा सुविधा को ऑनलाइन व्यवस्था आदि पर चर्चा की गई। संगठन के आगामी चुनाव के लिए रणनीति भी बनाई गई। वहीं पूर्व सैनिकों ने केंद्र सरकार की अग्निपथ योजना को युवाओं के लिए कारगर भी बताया। हल्द्वानी नगर निगम के सभागार में आयोजित बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में बीएसएफसे सेवानिवृत्त डीआईजी भगत सिंह तोलिया उपस्थित रहे। इसी माह सेवानिवृत्त हुए तोलिया 2012 में राष्ट्रपति पुलिस सराहनीय सेवा पदक और 2022 में राष्ट्रपति विशिष्ट सेवा पुलिस पदक से नवाजे जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि संगठन के साथ जुड़कर वह बहुत खुश हैं। संगठन में अधिक से अधिक सदस्यों को जोड़ने पर जोर दिया जाएगा। संगठन की समस्याओं को उच्च अधिकारियों तक पहुंचाया जाएगा। डिप्टी कमांडेंट दरबान सिंह बोहरा सेवानिवृत्त ने कहा कि संगठन वर्ष 2010 से हल्द्वानी में केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य सुविधा खोले जाने की मांग कर रहा है। सासंद व मंत्री अजय भट्ट ने संगठन को इस बार आश्वासन दिया है। इसके अलावा उन्होंने अग्निपथ योजना का स्वागत किया। बैठक में प्रवक्ता विष्णु दत्त भट्ट, कमांडेंट सीएस मर्तोलिया, अधिवक्ता पीयूष तिवारी, सरोज बोहरा, कविता दफौटी, एचएस दरियाल, सीएस हयांकि, भूपाल सिंह, दीवान राम टम्टा, किसन देउपा, चंदन सिंह, राजेश बनकोटी, हीरा सिंह आदि मौजूद रहे।

मानसून सीजन शुरू, नहीं हो पाए सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध

चम्पावत (आरएनएस)। मानसून सीजन शुरू हो चुका है। ऐसे में नदियों का जल स्तर भी लगातार बढ़ रहा है। बरसात तेज होने पर नदियों के साथ-साथ बरसाती नाले भी पूरे उफान में होंगे। लेकिन बाढ़ से सुरक्षा के लिए विभागों की ओर से अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं। विभागों की लेटलतीफी मैदानी क्षेत्रों में साफ देखने को मिल रही है। गैड़ाखाली, थ्वालखेड़ा, बूम, उचौलीगोठ, खेतखेड़ा, सैलानीगोठ, छीनीगोठ आदि गांवों को हर साल बरसाती नाले से होने वाले नुकसान का सामना करना पड़ता है। तटबंध न बनने के कारण बरसाती नाले का पानी इनके घरों, खेतों में घुसकर तबाही मचा देता है। जिसकी मार ग्रामीणों को झेलनी पड़ती है। बावजूद इसके इन गांवो को नुकसान से बचाने के लिए अभी तक विभागीय स्तर से कोई पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए हैं। हालांकि इस्टीमेट भेजने के बावजूद कई प्रस्ताव शासन में लंबित हैं। सिंचाई विभाग के एसडीओ विजय पाल सिंह ने बताया कि कई योजनाओं का प्रस्ताव बनाकर शासन स्तर पर भेज दिए गए हैं। आगे की कार्रवाई करने के लिए शासन स्तर से वित्तीय स्वीकृति मिलनी बाकि है। जैसे ही यह स्वीकृति मिल जाएगी इनके निर्माण का कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

मलबे से बंद एनएच की नालियों को शीघ्र खोलें : डीएम

चम्पावत (आरएनएस)। डीएम नरेंद्र सिंह भंडारी ने मलबे से बंद एनएच की नालियों को शीघ्र खोलने के निर्देश दिए हैं। मानसून सीजन को देखते हुए डीएम ने चम्पावत से घाट के बीच एनएच का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सड़क में पड़ बोल्डरों को हटाने को कहा। उन्होंने आपदा और भूस्खलन के नजरिए से संवेदनशील स्थानों का जायजा लिया। डीएम ने एनएच किनारे बने डंपिंग जोन में पड़े मलबे को समतल करने के निर्देश दिए। उन्होंने सड़क में पड़े गड्ढों को ठीक करने और पहाड़ी से मलबा गिरने वाले संभावित स्थलों में जेसीबी तैनात करने को कहा। च्यूरानी-सिंगदा सड़क का मलबा एनएच में गिरने पर उन्होंने पानी की निकासी के इंतजाम करने के निर्देश दिए। घाट और पनार के बीच तत्काल सड़क खोलने के लिए दो जेसीबी की तैनाती करने को कहा। बाद में डीएम ने फरतोला में बनाए जा रहे अमृत सरोवर का निरीक्षण भी किया। इस दौरान एनएच के ईई सुनील कुमार, डीडीएमओ मनोज पांडेय समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

बागेश्वर को रेल मार्ग से जोड़ने की मांग उठाई

बागेश्वर (आरएनएस)। बागेश्वर-टनकपुर रेल मार्ग निर्माण संघर्ष समिति ने बागेश्वर को रेल मार्ग से जोड़ने की मांग उठाई है। वक्ताओं ने कहा प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री रेल मार्ग के लिए बजट स्वीकृत कर टनकपुर में जल्द इसका शिलान्यास करें। कहा चीन भारत सीमा तक सड़क और रेल लाइन का निर्माण कर चुका है। जबकि हमारे देश को सीमा तक रेल लाइन पहुंचानी चहिए। रविवार को समिति से जुड़े लोग तहसील परिसर में पहुंचे। यहां नारेबाजी के साथ प्रदर्शन किया। इसके बाद उन्होंने सभा की। अध्यक्षता करते हुए समिति अध्यक्ष नीमा दफौटी ने कहा जब रेल आएगी तभी जिले का विकास होगा। उन्होंने कहा केंद्र सरकार को चाहिए वह बजट स्वीकृत कर मार्ग का निर्माण करें। वक्ताओं ने कहा सर्वे लोकेशन बोर्ड द्वारा अधिकृत बोर्ड द्वारा 29 करोड़ की धनराशि से पूरी कर ली है। उन्होंने कहा कि संगठन से जुड़े लोग कई बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा रेल मंत्री से मिल चुके हैं। उन्हें मार्ग निर्माण का आश्वासन तो मिलता रहा है, लेकिन बजट अभी तक नहीं मिला है। उन्होंने जल्द बजट स्वीकृत करने रेल योजना का प्रधानमंत्री द्वारा शिलान्यास करने की मांग की है।

आंगनवाडी वर्कर्स आर्थिक तंगी से जुझ रहे हैं: नेगी

संवाददाता

देहरादून। जन संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने कहा कि आंगनवाड़ी वर्कर्स आर्थिक तंगी के चलते दिन काटने को मजबूर है।

आज यहां जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष एवं जीएमवीएन के पूर्व उपाध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि महिला सशक्तिकरण एवं विकास तथा खाद्य मंत्री श्रीमती रेखा आर्य आंगनवाड़ी वर्कर्स की पीड़ा दूर करने के बजाए जिला पूर्ति अधिकारियों के तबादलों के खेल में व्यस्त हैं, जबकि आंगनवाड़ी वर्कर्स आर्थिक तंगी के चलते दिन काटने को मजबूर है। नेगी ने कहा कि आंगनवाड़ी वर्कर्स को लगभग 4-5 माह से मानदेय नहीं मिल पाया तथा लगभग 2 वर्ष से भवन किराया (जिसमें केंद्र संचालित होता है) नहीं मिल पाया, जिस कारण भवन स्वामी आंगनवाड़ी वर्कर्स पर किराया चुकाने को लगातार दबाव बनाए हुए है।

इसी प्रकार टीएचआर का भुगतान भी सात -आठ माह से नहीं हुआ। आखिर इन सब अव्यवस्थाओं की जिम्मेदार मंत्री का प्रबंधन क्या है। उन्होंने कहा कि चंपावत विधानसभा उप चुनाव के चलते वहां की आंगनवाड़ी वर्कर्स को भुगतान किया जा चुका है, लेकिन अन्य आंगनवाड़ी वर्कर्स अपनी मांगों को लेकर सरकार का मुंह ताक रहे हैं। उन्होंने कहा कि हाल ही में नौगांव ब्लॉक की एक आंगनवाड़ी वर्कर द्वारा आर्थिक तंगी के चलते आत्महत्या करने का मामला प्रकाश में आया था। मोर्चा शीघ्र ही आंगनवाड़ी वर्कर्स की मांगों को शासन के समक्ष रखेगा। पत्रकार वार्ता में दिलबाग सिंह व विनय कांत नौटियाल मौजूद थे।

ताइक्वांडो चैपियनशिप में नमन ने जीता स्वर्ण

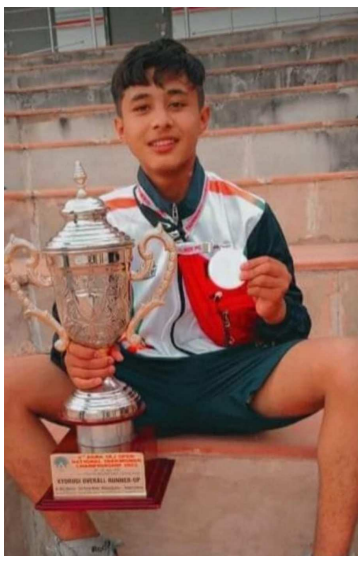

संवाददाता

देहरादून। आगरा ताज ओपन नेशनल ताइक्वांडों चैपियनशिप टॉर्नामेंट 2022 में मसूरी के नमन मल्ल ने अंडर जूनियर (63 किग्रा) भार वर्ग में फाईनल मैच में उत्तर प्रदेश के अपने निकटतम प्रतिद्वन्दी को हराकर गोल्ड मेडल जीता।

धूमधाम से मनाया जाएगा देवीधार महोत्सव

चम्पावत (आरएनएस)। नगर के प्रसिद्ध मां भगवती मंदिर देवीधार में नौ जुलाई से होने वाले पांच दिवसीय महोत्सव के आयोजन को लेकर बैठक की गई। इस दौरान मेले को भव्य रुप देने के लिए विभिन्न समितियों का गठन किया गया। रविवार को देवीधार सांस्कृतिक विकास समिति के अध्यक्ष जीवन मेहता की अध्यक्षता और सचिव प्रकाश राय के संचालन में आयोजित बैठक में लोगों ने इस बार महोत्सव को भव्य रुप से मनाने का निर्णय लिया। मेले के दिन देवीधार परिसर में सांस्कृतिक झांकी निकाली जाएगी। उन्होंने बताया कि दूसरे दिन शैक्षिक मेला, तीसरे दिन सांस्कृतिक संध्या, बालीवाल, फुटबाल,कैरम, सामान्य ज्ञान, चित्रकला, निबंध आदि प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। चौथे दिन प्रतियोगिता का फाइनल और पुरस्कार वितरण और 13 जुलाई को मुख्य मेला होगा। जिसमें कलीगांव, रायनगर चौड़ी और डैंसली से मां भगवती के देवीरथ मंदिर की परिक्रमा करेंगे। बैठक में मुख्य संरक्षक प्रहलाद सिंह मेहता, बाबा भुवन गिरी, बलवंत सिंह देउपा, बंशीधर राय, नरेश राय, जितेन्द्र राय, अर्जुन छतोला, सोनू बिष्ट,उमेश चन्द्र पुनेठा, शिवराज सिंह बिष्ट, गोपाल पुजारी, नरेन्द्र मेहता, राकेश मेहता, आनंद बल्लभ राय, नारायण राम, भूपेश राय,भैरव राय, कमल राय आदि मौजूद रहे।

बिजली चोरी में एक नामजद

देहरादून (सं)। पुलिस ने बिजली चोरी के मामले में एक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार केवी उपसंस्थान ट्रांसपोर्ट नगर के अवर अभियंता अशीष सती ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने मौहब्बेवाला में ममता डागर के घर पर छापा मारा तो देखा कि विद्युत केबल पर मीटर से पहले कट मारकर बिजली चोरी करते हुए पकड लिया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

शासन-प्रशासन की मौजूदगी के बावजूद नहीं थम रही है दून में नशा तस्करी!

हमारे संवाददाता

देहरादून। शासन-प्रशासन के आलाधिकारियों की मौजूदगी के बावजूद राजधानी देहरादून में मादक पदार्थो की तस्करी व बिक्री थमने का नाम नहीं ले रही है। दून के तकरीबन हर थाना क्षेत्र में मादक पदार्थो के तस्कर चांदी काटने में जुटे हुए है।

राज्य गठन के बाद राजधानी दून में अन्य काम धंधो में जहां उछाल आया है वहीं मादक पदार्थो की तस्करी भी बड़े पैमाने पर होने लगी है। मादक पदार्थो की तस्करी करने वाले तस्करों का नेटवर्क इतना मजबूत है कि उन पर पुलिस द्वारा चलाये जा रहे 'नशे के खिलाफ अभियान' का कोई असर नहीं होता नहीं दिख रहा है। इसका जीता जागता उदाहरण लाकडाउन के दौरान भी सामने आया है। जब पछुवादून के एक थाना क्षेत्र में पुलिस द्वारा एक ट्रक चालक को दबोच कर उसके पास से भारी मात्रा में मादक पदार्थ बरामद किये गये थे।

हैरत की बात यह है कि राजधानी दून में पुलिस व प्रशासन के आलाधिकारी मौजूद है लेकिन सूत्रों का दावा है कि फिर भी जिले के तकरीबन हर थाना क्षेत्र में मादक पदार्थो की तस्करी व बिक्री जारी है। हालांकि पुलिस महकमा भी आये दिन नशा तस्करों को दबोच कर उन्हे सलाखों के पीछे भेज रहा है लेकिन फिर भी नशा तस्करों का नेटवर्क टूटने का नाम नहीं ले रहा है। जबकि पुलिस का हर नशा तस्कर को दबोच कर यह दावा किया जाता है कि अमुक तस्कर बरेली से यह मादक पदार्थ लाया था। सवाल यह है कि जब पुलिस को यह सब पता है तो फिर वह नशा तस्करों के गढ़ में ही छापेमारी क्यों नहीं करती है?

अस्पताल के बाहर से मोटरसाईकिल चोरी

संवाददाता

देहरादून। अस्पताल के बाहर से मोटरसाईकिल चोरी होने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नई टिहरी निवासी शिव सिंह नेगी ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह किसी काम से महंत इन्द्रेश हास्पिटल गया था। उसने अपनी मोटरसाईकिल अस्पताल के बाहर खडी कर दी थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद बाहर आया तो उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

ये आंदोलन का मुद्दा है क्या ?

वेद प्रताप वैदिक

कांग्रेस आजकल राजनीतिक पार्टी की बजाय प्राइवेट लिमिटेड कंपनी बनती जा रही है, इसका ताजा प्रमाण फिर सामने आ रहा है। 'नेशनल हेराल्ड' के मामले में सोनिया गांधी और राहुल को प्रवर्तन निदेशालय के सामने जांच के लिए पेश होना पड़ रहा है। हो सकता है कि जांच में दोनों बिल्कुल खरे उतरें। वैसे देश में मुझे तो एक भी नेता ऐसा दिखाई नहीं पड़ता जो कि दूध का धुला हो। कोई न कोई धांधली, ठगी, रिश्वत या दादागीरी का दांव मारे बिना कोई भी नेता अपनी दुकान कैसे चला सकता है? फिर भी हम मानकर चल सकते हैं कि राहुल और सोनिया बिल्कुल बेदाग निकलेंगे तो भी असली सवाल यह है कि किसी जांच एजेंसी के सामने पेश होने में उन्हें एतराज क्यों होना चाहिए? यदि कानून सबके लिए एक-जैसा है तो वह उन पर भी लागू क्यों न हो? वे अपने आप को कानून से ऊपर समझते हैं, क्या? यदि वे निर्दोष हैं तो कोई जांच एजेंसी सत्तारुढ़ नेताओं की कितनी ही गुलाम हो, उन्हें किसी से डरने की क्या जरुरत है? भारत की न्यायपालिका आज भी निर्भीक और स्वतंत्र है। वह उनके सम्मान की रक्षा अवश्य करेगी लेकिन इस जांच को लेकर पूरी कांग्रेस जिस तरह से सड़क पर उतर आई है, वह अपना मजाक बनवा रही है।

इससे कई बातें सिद्ध हो रही हैं। पहली तो यह कि कांग्रेस अपने सिर्फ दो नेताओं, माँ और बेटे को बचाने के लिए जिस तरह जन-आंदोलन पर उतर आई है, उससे लगता है कि उसके पास जनहित का कोई और मुद्दा है ही नहीं। अपने नेताओं को बचाना ही उसके लिए सबसे बड़ा जनहित है। दूसरा, उसने जन-आंदोलन की राह अपनाकर भाजपा सरकार के प्रति जनता को जो शिकायत हो सकती थी, उस पर ढक्कन लगा दिया है। ज़रा याद करें कि चरणसिंह सरकार ने जब इंदिरा गांधी को गिरफ्तार किया था तो उस सरकार की इज्जत कैसे पैंदे में बैठ गई थी। यही अब भी होता लेकिन मां-बेटे ने यह प्रदर्शन करवाकर भाजपा सरकार के हाथ मजबूत कर दिए हैं। तीसरा, लोगों को आश्चर्य है कि कांग्रेस की हालत मायावती की बसपा की तरह क्यों होती जा रही है? उसके पास न तो योग्य नेता हैं और न ही प्रभावशाली नीति है। इसी का नतीजा है कि राष्ट्रपति के चुनाव में उम्मीदवार के लिए किसी कांग्रेसी नेता का नाम सामने नहीं आ रहा है। सारे विपक्षी दलों को इस मुद्दे पर एक करने में भी कांग्रेस को सफलता नहीं मिल रही है। यद्यपि कांग्रेस के कुछ मुख्यमंत्री काफी सफलतापूर्वक काम कर रहे हैं लेकिन उन्हें भी जब मां-बेटे की सेवा में जोत दिया जा रहा हो तो आम लोग सोच में पड़ जाते हैं कि ये अनुभवी नेता लोग भी नेता हैं या किसी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के कर्मचारी हैं? देश के करोड़ों कांग्रेसी कार्यकर्त्ता हतप्रभ हैं। उन्हें आश्चर्य होता है कि उनके नेता राष्ट्रीय मुद्दों पर कोई आंदोलन क्यों नहीं करते? क्या आंदोलन के लिए उनके नेताओं को बस यही मुद्दा मिला है?

बड़ी ताकतों के बीच

शहबाज शरीफ सरकार को अमेरिका का दोस्त समझा जाता है। लेकिन स्थिति संभवत: ऐसी नहीं है कि वह चीन की कीमत पर ये दोस्ती निभाए। अब जल्द ही उसे चुनना होगा कि इन दोनों के बीच उसकी प्राथमिकता कौन है।

पाकिस्तान के महा-शक्तियों के टकराव में पिसने का अंदेशा पैदा हो गया है। कभी पाकिस्तान को अमेरिकी खेमे का देश समझा जाता था। बाद में जब चीन की ताकत बढ़ी, तो उसे उसके खेमे में माना जाने लगा। पाकिस्तान में आम जन भावना है कि चीन एक ऐसा दोस्त है, जो हर संकट के समय पाकिस्तान के काम आया है। इसके बावजूद देश में एक मजबूत अमेरिकी लॉबी रही है। समझा जाता है कि दो महीने पहले इस लॉबी ने तत्कालीन इमरान खान की सरकार को गिराने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई, जो देश को चीन के साथ-साथ रूस के भी करीब ले जा रहे थे। मौजूदा शहबाज शरीफ सरकार को अमेरिका का दोस्त समझा जा रहा है। लेकिन उसकी स्थिति संभवत: ऐसी नहीं है कि वह चीन की कीमत पर ये दोस्ती निभा सके। बहरहाल, अब जल्द ही उसे यह चुनना होगा कि इन दोनों के बीच उसकी प्राथमिकता कौन है। खबर है कि आईएमएफ ने पाकिस्तान सरकार से साफ कह दिया है कि अगर उसे इस संस्था से कर्ज की अगली किस्तें हासिल करनी हैं, तो उसे चीनी कंपनियों के साथ हुए ऊर्जा समझौतों की शर्तों पर फिर से बातचीत करनी होगी। आईएमएफ से तुरंत कर्ज पाना पाकिस्तान की जरूरत है। देश की अर्थव्यवस्था हिचकोले खा रही है। आम समझ है कि जल्द उसे विदेशी मुद्रा नहीं मिली, तो वह श्रीलंका की राह पर जा सकता है। इसी बीच आईएमएफ ने फच्चर फंसा दिया है। उसने पाकिस्तान से कहा है कि वह चीनी कंपनियों के साथ भी अन्य कंपनियों जैसा ही व्यवहार करे। जबकि चीनी कंपनियों ने पाकिस्तान में बिजली संयंत्रों का निर्माण चीन-पाकिस्तान इकॉनमिक कोरिडोर के तहत किया है, जिसकी शर्तें अलग से तय हुई थीं। चीनी कंपनियां उन शर्तों पर पुनर्विचार की गुजारिश पहले ही ठुकरा चुकी हैं। यह तो सर्वविदित है आईएमएफ के फैसलों पर अमेरिका का बड़ा प्रभाव रहता है। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

बहुत अधिक पसीना आना हो सकता है इस बीमारी का संकेत!

गर्मी के मौसम में पसीना निकलना आम बात है। पसीना निकला शरीर के लिए जरूरी गतिविधियों में से है। इससे शरीर की गंदगी बाहर निकल जाती है। और त्वचा पर नैच्यूरल ग्लों भी बना रहता है। इसके अलावा यह वजन, मूड और नींद को सकारात्मक रूप से प्रभावित करता है। लेकिन कुछ लोग ऐसे होते है जिन्हें बहुत ज्यादा पसीना आता है। बिना किसी बीमारी, शारीरिक गतिविधि और बिना गर्मी के पसीना आना सेहत के लिए अच्छा नहीं होता है। यह परेशानी तब होती है जब शरीर से पसीने को बाहर निकालने वाली ग्रंथियां ऑवर एक्टिव हो जाती हैं।

सामान्य से अधिक पसीना आना हाइपरहाइड्रोसिस के कारण हो सकता है। इस रोग से पीड़ित लोगों के पसीने की ग्रंथियां अधिक सक्रिय हो जाती हैं। इसी वजह से इन लोगों के हाथ और पैर में पसीना आने लगता है। हाइपरहाइड्रोसिस बीमारी दो तरह की होती है। प्राइमरी तो नहीं लेकिन सेकेंड्री हाइपरहाइड्रोसिस से पीड़ित मरीज कई बीमारियों की चपेट में आ सकता है। ये बीमारियां है शुगर का बढ़ जाना, लो ब्लड प्रेशर और हाइपर थायरॉइडिज्म।

के अनुसार हाइपरहाइड्रोसिस से लगभग 3 प्रतिशत आबादी ग्रसित है।

ज्यादा पसीना आने के ये दो कारण

पहला कारण

अगर बिना किसी बीमारी के ज्यादा पसीना निकलता है तो इसके पीछे इसे बाहर निकालने वाली ग्रंथियां जिम्मेदार होती है। ये जब ऑवर एक्टिव हो जाती हैं तो शरीर से सामान्य से ज्यादा पसीना निकलने लगता है।

दूसरा कारण

जब कोई व्यक्ति थायराइड ग्लैंड डिसऑर्डर, डायबिटीज, मेनोपॉज, बुखार, घबराहट और हार्ट संबंधित रोगों से ग्रसित होता है।

ज्यादा पसीना निकल रहा है तो खाने पर रखें कंट्रोल

- मसालेदार खाना और खट्टा कम खाएं या न खाएं।

- आहार में गर्म खाद्य पदार्थों को शामिल न करें।

- रोज 10 भिगोएं हुए किशमिश को खाली पेट खाएं।

- आहार में कसैले और मिट्ठे स्वाद वाले खाद्य पदार्थों को ज्यादा खाएं।

इन पेय पदार्थ का करे सेवन

धनिया पानी

धनिया के बीजों को पीसकर रात भर पानी में भिगोकर रख दें। सुबह खाली पेट इसका सेवन करें।

खस पानी

पसीने की परेशानी ज्यादा गर्मियों में रहती है ऐसे में आप सादा पानी पीने की जगह खस का पानी पी सकते हैं। इसके लिए एक चम्मच खस के जड़ को 2 लीटर पानी में 20 मिनट के लिए भिगो दें। इसके बाद इसे छानकर इसका सेवन करें।

नींबू, नमक और पानी का करें सेवन

नींबू और नमक का मिश्रण इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस को बनाए रखने में मदद करता है। पसीने की वजह से शरीर में नमक की कमी हो जाती है। ऐसे में ठंडे पानी में नींबू और नमक मिलाकर पीने से अधिक पसीना निकलने की समस्या में आराम मिलेगा।

इन घरेलू उपचारों से कर सकते हैं दूर

सेब का सिरका

सेब के सिरका में एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-बैक्टीरियल गुण होता है जो शारीर में होने वाले हार्मोनल बदलाव को नियंत्रित करता है और रात को पसीना आने की समस्या से निजात दिलाता है।

विटामिन-ई

विटामिन-ई पसीना होने की समस्या से निजात दिलाने में मदद करता है। वेजिटेबल ऑयल और नट्स में विटामिन-ई होता है। विटामिन ई 35-40त्न तक हॉट फ्लैश और नाइट स्वेट को उत्तेजित करता है।

अलसी के बीज

अलसी में ओमेगा - फैटी एसिड और फाइबर होता है जो पसीना आने की समस्या से निजात दिलाता है। इसके अलावा यह पसीना को नियंत्रित करने वाले हार्मोन को भी नियंत्रित करता है।

अश्वगंधा

अश्वगंधा सिर दर्द, तनाव और कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली के लिए एक बेहतर उपचार होता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-बैक्टीरियल गुण होता है जिसके कारण यह मेनोपॉज के लक्षणों को कम करता है जिससे पसीना आने की समस्या कम हो जाती है।

टी बैग का करें इस्तेमाल

पसीना ज्यादा आने की वजह से शरीर में दुर्गंध पैदा हो जाती है। ऐसे में आप एक कटोरी में 4 से 5 टी बैग को डालें। इसके बाद इसमें अपने हाथ को कुछ देर के लिए डुबोए रखें। रोजाना ऐसा करने से आपके ज्यादा पसीने आने की समस्या खत्म हो जाएगी। इसके अलावा आपगर्मी के मौसम में कॉटन के कपड़े पहनें।(आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य - (भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. पानी, नीर, अंबु 2. आना-जाना, आवागमन 5. बहुत, बढ़िया 6. दूर रहने वाला (घटना) जो वर्तमान में न घट सके 8. अबोध, नासमझ, अनाड़ी 10. सब्जी, शाक 11. निशान, उद्देश्य, अनुमान योग्य वस्तु 12. नाखून 13. द्रव पदार्थ 15. सूनसान, जनविहीन स्थान 16. चटकीला, चमकीला, चटपटा, गौरैया 18. भगवान, खुदा 19. इन दिनों, वर्तमान दिनों में 20. अग्नि, पावक 21. अन्नकण, अनाज का टुकड़ा 22. टालमटोल, बहाने बाजी 24. भैया की पत्नी 25. पांच से छोटी एक विषम संस्था 26. हत्या, कत्ल.

ऊपर से नीचे

1. दुनिया, संसार, ठोस रूप में परिवर्तित करना 2. चमक, पानी 3. बाजीगर, जादू का खेल दिखाने वाला 4. एक पंजाबी प्रेमगीत, रांझा की प्रेमिका 5. मार-काट, खून-कत्ल 7. भूमि, जमीन, भू-भाग 9. बहुत बड़ा दानी, 10. संगीत के सुरों की संख्या 14. लचीला, लोचयुक्त 17. खिसकना, अपने स्थान से हटना, विचलित होना 19. प्रवेश करना, पधारना, आना 20. धूप-दीप से पूजा 22. इसी समय 23. गुस्सा, कहर.

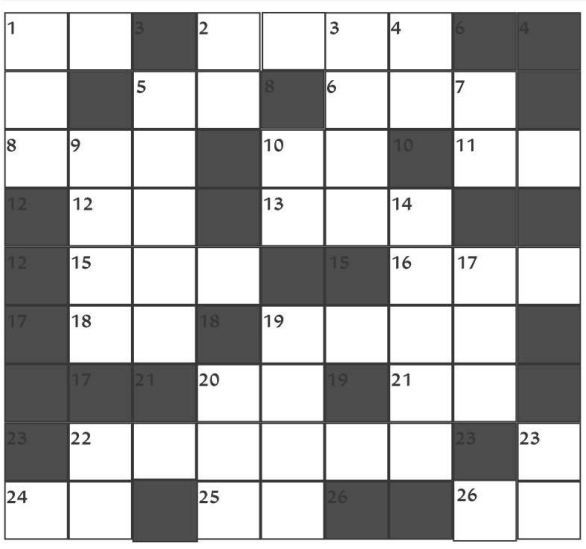

स्वा	द		सा	म	ना		कै	दी
व		ख	ल	ना	य	क		वा
लं	प	ट		ना	क	क	ट	ना
बी		प				ड़ी		प
	अ	ट	प	टा			शा	न
स	ह		यो			र	ति	
ह	म		द	र	ब	द	र	
म	क	र		सी	ल			
त		क्षा		द	वा	खा	ना	

राम गोपाल वर्मा की फिल्म लड़की- एंटर द गर्ल ड्रैगन का ट्रेलर रिलीज

बॉलीवुड के जाने-माने फिल्मकार राम गोपाल वर्मा की आने वाली फिल्म लड़की- एंटर द गर्ल ड्रैगन का ट्रेलर रिलीज हो गया है। राम गोपाल वर्मा की फिल्म लड़की- एंटर द गर्ल ड्रैगन में पूजा भालेकर ने मुख्य किरदार निभाया है। यह एक मार्शल आर्ट्स फिल्म है। इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है।

राम गोपाल वर्मा ने इस फिल्म का 8 मिनट लम्बा ट्रेलर सोशल मीडिया में रिलीज किया है, जिसे नाम दिया गया है, द स्पेशल शो ऑफ लड़की। भारतीय फिल्म इंडस्ट्री के इतिहास में यह सबसे लम्बा ट्रेलर है। यह फिल्म भारत और चीन के सहयोग से बनी फिल्म है, जिसमें पूजा भालेकर मार्शल आर्ट्स के करतब दिखाती नजर आएंगी। पूजा रियल लाइफ में ताइचांडो की एक्सपर्ट हैं और काफी टूर्नामेंट्स में हिस्सा भी ले चुकी हैं। फिल्म में स्टंट्स और एक्शन पूजा ने खुद ही किये हैं।

राम गोपाल वर्मा ने कहा, मैं एक सामान्य-सा ट्रेलर रिलीज नहीं करना चाहता था, जिससे कहानी का मुख्य कथ्य दब जाए और दर्शकों तक पूरी बात ना पहुंच पाए। मैं दर्शको को पूरा समय देना चाहता हूं जिससे वे कहानी के सार और उसके भावनात्मक पहलू को समझ सकें, साथ ही महसूस कर सकें।लड़की- एंटर द गर्ल ड्रैगन दुनियाभर में 15 जुलाई को रिलीज होगी।

निकम्मा का गाना तेरे बिन क्या रिलीज

बॉलीवुड एक्टर अभिमन्यु दासानी और शर्ली सेतिया की अपकमिंग फिल्म निकम्मा के निर्माताओं ने तेरे बिन क्या गाना रिलीज किया। तेरे बिन क्या गाने को गौरव दासगुप्ता ने कंपोज किया। इस गाने में राजस्थानी लोक सिंगर मामे खान और फिल्म की लीज एक्ट्रेस शर्ली ने अपनी आवाज दी है। वहीं कुमार ने गाने के खूबसूरत बोल लिखे हैं।

गाने के बारे में बात करते हुए, शर्ली ने कहा, यह गाना जो हमने रिलीज किया है, वह मेरे लिए बेहद खास है। यह इसलिए भी खास है, क्योंकि मैंने इसे अपने बॉलीवुड डेब्यू में गाया है। फैमिली एंटरटेनर फिल्म में एक्टिंग करना मेरा बचपन का सपना था और निकम्मा मेरे लिए वह ड्रीम प्रोजेक्ट है। मामे खान सर, गौरव दासगुप्ता सर और कुमार सर जैसे प्रतिभाशाली संगीतकारों के साथ सहयोग करने का यह एक शानदार मौका रहा है।

शर्ली, जो यूट्यूबर और डिजिटल स्टार है। उन्होंने नेटफ्लिक्स के शो मस्का से एक्टिंग की शुरूआत की थी। निकम्मा उनकी बड़े पर्दे पर पहली फिल्म है। इस फिल्म में वह अभिमन्यु के साथ नजर आएंगी।

टेलीविजन अभिनेत्री रूप दुर्गापाल ने टीवी से लिया ब्रेक

टेलीविजन अभिनेत्री रूप दुर्गापाल जो बालिका वधू में सांची की भूमिका और रंग प्यार के ऐसे भी में अपने कैमियो के लिए प्रसिद्ध हैं। अब अभिनेत्री टीवी से ब्रेंक लेकर थिएटर में अपनी रुचि साझा करना चाहती हैं। अभिनेत्री रूप दुर्गापाल कहती हैं, मैं काफी समय से थिएटर कर रही हूं। मुझे लगता है कि एक अभिनेता के लिए, सभी माध्यमों में काम करना बहुत अच्छा है। मैं रंगशिला थिएटर से जुड़ी हुई हूं और इसने मुझे एक अभिनेता के रूप में खुद को तलाशने का मौका दिया है।

मुझे थिएटर का हिस्सा बनना पसंद है और यह मेरे जीवन के सबसे समृद्ध अनुभवों में से एक रहा है।

अभिनेत्री ओटीटी और फिल्मों जैसे माध्यमों की खोज करने की उम्मीद कर रही है। अभिनेत्री कहती हैं, हालांकि मैं अब वेब स्पेस और फिल्मों में अच्छे अवसरों की तलाश कर रही हूं, लेकिन मेरा इरादा किसी न किसी तरह से थिएटर से जुड़े रहने का है।

नम्रता मल्ला ने सिंगल पीस ड्रेस में दिखाया अपना फीगर

भोजपुरी इंडस्ट्री की पॉपुलर एक्ट्रेस नम्रता मल्ला अक्सर अपने बोल्ड वीडियोज और फोटोज फैंस के लिए सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं। वह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और उनकी यहां पर अच्छी फैन फॉलोइंग है। नम्रता मल्ला ने एक बार फिर अपने बोल्ड फोटोज शेयर किए हैं। जो फैंस को अपनी तरफ आकर्षित कर रहे हैं। नम्रता मल्ला ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से कुछ तस्वीरें शेयर की हैं।

इन तस्वीरों में नम्रता मल्ला अलग-अलग पोज देते हुए दिखाई दे रही हैं। नम्रता मल्ला ने सिंगल पीस ड्रेस पहनी हुई और अपना फीगर फ्लॉन्ट करते नजर आईं। नम्रता मल्ला का अंदाज देखने वाला है।

नम्रता मल्ला की इन तस्वीरों को फैंस खूब पसंद कर रहे हैं। इसके साथ ही फैंस नम्रता मल्ला के फोटोज पर अपने दिल की बात कर रहे हैं। नम्रता मल्ला का ये पहला मौका नहीं जब उन्होंने अपने बोल्ड फोटोज शेयर किए हैं। नम्रता मल्ला अक्सर अपने हॉट फोटोज फैंस को दिखाती रहती हैं।

नम्रता मल्ला अपने बोल्ड फोटोज के साथ ही अपने डांस वीडियोज के लिए भी काफी मशहूर हैं। नम्रता मल्ला के इंस्टग्राम अकाउंट पर उनके काफी डांस वीडियोज देखने को मिल जाएंगे। नम्रता मल्ला अपनी एक्टिंग करियर से ज्यादा सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती हैं। नम्रता मल्ला को लेकर कहा जा रहा है कि वह तेलुगू फिल्म में एक आइटम नंबर में नजर आएंगी।(आरएनएस)

घूमर में सैयामी खेर के साथ रोमांस करेंगे अभिषेक बच्चन

बॉलीवुड स्टार अभिषेक बच्चन और सैयामी खेर की लीड रोल वाली फिल्म घूमर को लेकर एक बार फिर से चर्चा शुरू हो गई है। अभी हाल में खबर आई थी कि फिल्म में अभिषेक बच्चन के पापा और बॉलीवुड के जाने-माने स्टार अमिताभ बच्चन भी इस फिल्म में नजर आने वाले है। अब इस फिल्म से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जो अभिषेक बच्चन और सैयामी खेर के फैंस को काफी खुश करने वाली है। इस फिल्म का पहला लुक सामने आ गया है। जो काफी दमदार लग रहा है।

अभिषेक बच्चन और सैयामी खेर फिल्म घूमर से दोनों का पहला लुक सामने आ गया है। जिसने आते ही फैंस को हिला दिया है। फिल्म से जो पहला लुक जारी हुआ है, उस तस्वीर में अभिषेक बच्चन और सैयामी खेर एक साथ नजर आ रहे है। फैंस इस तस्वीर पर खूब कमेंट कर रहे है। जानकारी के लिए आपको बता दें कि अभिषेक बच्चन और सैयामी खेर की इस फिल्म घूमर का फैंस काफी लंबे समय से इंतजार कर रहे है। इसी बीच इस लुक के जारी होने के उनकी खुशी का ठिकाना नहीं है। इस फिल्म से उम्मीद है कि ये बॉलीवुड को एक नई जान देगी। तो चलिए बिना देरी करें पहले हम इस फिल्म से आया अभिषेक बच्चन और सैयामी खेर का लुक देखते है।

अभिषेक बच्चन और सैयामी खेर फिल्म घूमर में बॉलीवुड के जाने माने स्टार अमिताभ बच्चन भी नजर आने वाले है। आपको बता दें कि बाप-बेटे की जोड़ी काफी लंबे समय के बाद साथ नजर आने वाली है। इस पहले ये दोनों बंटी और बबली, सरकार और भी कई फिल्मों में साथ नजर आ चुके है। अब देखना होगा बाप-बेटी की जोड़ी इस फिल्म में क्या कमाल दिखाती है। (आरएनएस)

अल्लू अर्जुन की सुपरहिट फिल्म पुष्पा 2 का जल्द शुरु होगा प्रोडक्शन

सुपरस्टार अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना अभिनीत पुष्पा: द राइज की सफलता के बाद, अब सभी की निगाहें इस फिल्म की अगली कड़ी पर टिकी हैं। हालांकि, सुकुमार की बहुप्रतीक्षित फिल्म की दूसरी किस्त पर निर्माण शुरू होने में देरी ने काफी चर्चाओं को जन्म दिया है।

मेकर्स अब शूटिंग पार्ट को शेड्यूल करने पर काम शुरू कर रहे हैं क्योंकि यह खबर फिल्म के फैंस के लिए काफी सही है।

पुष्पा: द रूल की स्क्रिप्ट अभी लिखी जा रही है और सुकुमार और उनके दल का लक्ष्य अगस्त में शूटिंग शुरू करना है।

आर्या के निर्देशक पुष्पा 2 की पटकथा को लेकर आश्वस्त दिख रहे हैं, तो निमार्ताओं ने जाहिर तौर पर इसे कुछ महीनों में फ्लोर पर ले जाने का फैसला किया है।

फिल्म सीमाओं को पार करेगी और एक बहुराष्ट्रीय सेटिंग होगी जिसमें अल्लू अर्जुन को सभी बाधाओं के खिलाफ चुनौती दी जाएगी। फहद फासिल पुष्पा 2 में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे और फिल्म में उनके चरित्र से सभी को चकित करने की उम्मीद है। फिल्म की पहली किस्त की अपार सफलता के बाद, अल्लू अर्जुन की उत्तरी बेल्ट में लोकप्रियता आसमान छू गई है।

वह लगभग एक महीने में एक मुक्त पक्षी बन जाएंगी: छवि मित्तल

लोकप्रिय टीवी अभिनेत्री छवि मित्तल कैंसर से अपनी लड़ाई को लेकर सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय हैं। अब उसने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर यह साझा किया कि, आखिरकार उसके सभी विकिरण चिकित्सा सत्र हो चुके हैं और लगभग 30 दिनों के बाद पूरी तरह से ठीक हो जाएंगी।

उसने कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं और सभी प्रतिबंधों से छुटकारा पाने और हाल ही में अंतिम विकिरण चिकित्सा सत्र में भाग लेने की अपनी खुशी के बारे में साझा करने के लिए एक लंबा संदेश लिखा।

छवि ने लिखा, मैं शांत नहीं रह सकती क्योंकि मेरा विकिरण खत्म हो गया है, मैं केवल इस बिंदु से ठीक हो गयी हूं। मुझे 30 और दिनों के लिए सभी प्रतिबंधों का पालन करना होगा और फिर मैं एक स्वतंत्र पक्षी बनूंगी।

चित्र 1 मेरा अंकन-मुक्त पेट दिखाता है, चित्र 2 उन चिह्नें को दिखाता है जो मैंने विकिरण के दौरान एक महीने तक किए थे। और इमेज 3 में एक कहानी है।

उन्होंने आगे कहा, जब विकिरण दिया जा रहा था तब मुझे अपनी सांस रोकनी थी और जब मैं सांस रोककर सांस लेता था, तो मशीन बंद हो जाती थी। इसलिए पूरी प्रक्रिया को मजेदार बनाने और अपने सांस लेने के समय को बढ़ाने के लिए, मैं हमेशा अपने पर भरोसा करता था माइंड मिसिसिपी 1, मिसिसिपी 2।

उन्होंने निष्कर्ष निकाले हुए कहा, ठीक है, इन छोटी-छोटी चीजों ने मेरे विकिरण को सुचारू बना दिया है और मैं ब्रह्मांड को पर्याप्त धन्यवाद नहीं दे सकती कि मैं कितनी धन्य हूं, जल्द ही यह सब मेरे पीछे होगा। उनके पोस्ट के तुरंत बाद उनके कई उद्योग मित्रों और प्रशंसकों ने खुशी व्यक्त की। करण वी ग्रोवर ने उल्लेख किया, आपके जन्मदिन पर पार्टी के लिए तैयार हो रहा है। अभिनेत्री पूजा ए गोर ने हंसते हुए इमोजी के साथ लिखा, और उलटी गिनती शुरू होती है, 1 श्रीमती हिप्पी, 2 श्रीमती हिप्पी

जहां उनके कई प्रशंसकों ने उन्हें आनंद लेने और आराम करने के लिए कहा, वहीं अन्य ने लिखा कि कैसे वह कई लोगों के लिए प्रेरणा बनीं।

प्रशंसक पर लिखा, ब्रावो आपके आशावाद और भावना के लिए। एक अन्य प्रशंसक ने टिप्पणी की, आपने मुझे बहुत प्रेरित किया।(आरएनएस)

पिंजरा, खुली जेल, कैदी मनुष्य!

हरिशंकर व्यास

पांच हजार साल पहले मनुष्य जीवन ऑर्गेनिक मौलिकताओं से स्वस्थ और सच्चा था। बिना मानसिक विकारों-विकलांगताओं के था। बुद्धि स्वतंत्र और विवेकी थी। लेकिन मानव इतिहास की नंबर एक त्रासदी है जो बुद्धि के विवेक ने मनुष्य को भटकाया। उसने पशुपालन, शाकाहार के अनुभव में पहले तो प्लांटपालन याकि खेती का आइडिया बनाया। फिर उसकी व्यवस्थाओं में आपसी साझे के ऐसे नियम-कायदे बना डाले, जिनका अंत परिणाम पशुपालन के साथ मानवपालन हुआ। मनुष्य ने बेसुधी में अपने को जानवर बना दिया। अपने एनिमल फार्म बना डाले।ज्तभी वह गुलामी के असंख्य पिंजरों में है। आठ अरब लोगों का जीवन ओपन जेल के भिन्न-भिन्न परिवेश में सांस लेते हुए है।

प्रलय का मुहाना -26ः यक्ष प्रश्न है मनुष्य ने अपने को क्या बनाया? मनुष्य बुद्धि ने कमाल किया, उससे मानव विकास हुआ लेकिन खुद बुद्धि का क्या बना? वह पराधीन हुई! गुलाम हुई। डिब्बाबंद हुई। असंख्य घेरों के चक्रव्यूह में जकड़ती गई। वह बेड़ियों में बंधी। पराश्रित हुई! व्यवस्थागत हुई। रिश्तों के विषैलेपन से जहरीली हुई। आदेशों, दायित्वों, उत्तरदायित्वों की अनुपालनाओं की पालनकर्ता बनी। अपने गले में वर्ग, वर्ण, धर्म, नस्ल, लिंग, रंग, पहचान, मान-सम्मान, स्टेट्स के आइडेंटिटी कार्ड लटका बैठी। वह ह्यूमन चिड़ियाघर की पालतू प्रजातियों का नमूना बनी! विकास की भौतिकताओं, औजारों के उपयोग और उपभोग की यांत्रिक मशीन बनी। वह विकास का पहिया-ईंधन बनी और खुद अपने को उसकी मंजिल का पराधीन बनाया।

याद करें पांच हजार साल पहले की ऑर्गेनिक मनुष्य खोपड़ी पर। वह ढाई लाख साल पहले शुरू हुए होमो सेपियन का प्रारब्ध था। तब मनुष्य जंगल का आजाद प्राणी था। बुद्धि की अंत:प्रेरणा और उसकी मुक्तता व स्वतंत्रता में हिरण, हंस और शेर की तरह पृथ्वी पर फैलता हुआ था। दिल-दिमाग की जिज्ञासाओं, कल्पनाओं, निर्भयता में मनुष्य की बुद्धि उड़ती हुई थी। कोई उसे रोकने, टोकने, बांधने वाला नहीं था। वह रिलेशनों, उतरदायित्वों, समाज, धर्म, राजनीति, व्यवस्थाओं के बिना बोध के था। वह स्वतंत्र था। शेर जैसा शिकारी था। हिरण जैसा भोला-मासूम था। हंस जैसा मोती चुगता समझदार था। जंगल उसका प्राकृतिक अभयारण्य था। सब कुछ सहज, सरल, ओरिजिनल और सात्विकताओं याकि बिना झूठ, प्रपंच, प्रायोजनों, पाखंडी व्यवस्थाओं और प्रबंधों के!

तभी तुलना करें मनुष्य खोपड़ी की तब और अब की अवस्था पर! तब मनुष्य अपनी बुद्धि का खुद स्वामी था। खोपड़ी का तंत्रिका जाल जो सोचता, जो चाहता, जो समझता उस अनुसार मनुष्य शरीर का व्यवहार था। हर तरह से वह स्वतंत्र-स्वच्छंद और अपना मालिक खुद! तभी वह जानवरों से श्रेष्ठ और अलग तथा पशु और मनुष्य का फर्क उद्घाटित करता हुआ।

मनुष्य होना क्या?

ध्यान रहे जानवर का दिमाग, बुद्धि कंडीशंड, अनुकूलित होती है। वह जन्मजात डीएनए की मष्तिष्क रचना में जड़ स्वभाव का होता है। उसका एक डिब्बाबंद चरित्र है। हर जानवर तयशुदा बुद्धि के तयशुदा स्वभाव में जीता है। जबकि मनुष्य के जन्मजात डीएनए में यह छूट, यह लचीलापन है कि वह बुद्धि से खोजे। वह खुद बुद्धि का मालिक और विस्तारक। मनुष्य खोपड़ी मनोभावों और जिज्ञासा में सोचने-विचारने का स्वतंत्र मेकेनिज्म बनाए हुए है। मनुष्य की जैविक रचना के डीएनए से क्योंकि बुद्धि को आजादी है, स्वतंत्र स्वभाव की प्राप्ति है तभी वह पृथ्वी के जीव-जंतुओं में अकेला-अनमोल बुद्धिवादी है!

जाहिर है ज्ञानी होमो सेपियन के दिमाग में उजियारे की किरण के पट खुले तो बुद्धि की जिज्ञासा देखने-समझने लगी। उसने पत्थर, अग्नि, वायु, जल को समझा और उनका उपयोग बनाया। भय, भूख और सुरक्षा की जरूरतों में उनके निदान ढूंढे। औजार, हथियार का बोध पाया। शिकार, पशुपालन और खेती के आइडिया सोचे। इस तरह से बाकी जानवरों के दिमाग नहीं सोच सकते है क्योंकि पशु दिमाग पूर्वनिर्धारित डीएनए की जंजीरों में बंधा हुआ होता है। डीएनए मनुष्य दिमाग में भी है और उनसे ही स्वभाव और भावनाओं की बुनावट है मगर बिना जंजीरों के। उसकी बुद्धि को सत्य समझने, विवेक बनाने, अच्छे-बुरे के भेद बूझने की स्वतंत्रता प्राप्त है। जाहिर है मनुष्य होने की प्रामाणिकता की पहली और अनिवार्य शर्त है, पहचान है स्वतंत्र व निर्भय बुद्धि। यदि वह नहीं तो उसी क्षण वह पशु माफिक। दिल-दिमाग में यदि स्वतंत्र होने की अनूभूति और कर्म है तो वह मनुष्य है अन्यथा वह पशु है। उसे फिर भले पालतू पशु मानें या पिंजरे में बंद परिंदा या एक यांत्रिक, रोबोट मशीन!

बुद्धि का बलंडर!

ऐसे में आज के मनुष्य का सत्य क्या? पृथ्वी के आठ अरब मनुष्यों में कितने रियल मानव और कितने जकड़ी हुई बुद्धि के जानवर है? आप खुद ही अनुमान लगाएं और सोचें कि पांच हजार वर्षों में मनुष्य ने मानव बुद्धि के समुच्चय का जो सुपर कंप्यूटर बनाया है, उसका जैसा सीपीयू बना है उसमें मनुष्य खोपड़ी की वैयक्तिक स्वतंत्रता भला कितनी और क्या है? बुनियादी तौर पर आठ अरब लोग सुपर कंप्यूटर के पुर्जे हैं, जो लगातार बंधे हुए हैं। सुपर कंप्यूटर ने मनुष्य को सतत बांधा है। मशीनी सीपीयू मनुष्यों को बांधता है, संभालता है, पालता है, गुलाम बनाता है, शोषण करता है, दुहता है। सोचें, विकास का कुल अर्थ क्या आठ अरब मनुष्यों को पालतू बनाने और दुहने का नहीं है? पशुपालन की अवस्था से बाहर निकल मनुष्य के आइडिया में खेती के साथ सभ्यता का जो भी विकास हुआ है वह क्या पशुपालन की बुनावट में मानवपालन, शोषण, दोहन नहीं था? इसलिए पशु के पालन के अनुभव के बाद मानव के पालन की पद्धति के आइडिया और विकास की व्यवस्थाएं ही मनुष्य की हिमालयी बलंडर हैं।

खेती से पहले तक मनुष्य की वैयक्तिकता में बुद्धि का व्यवहार था। उस वैयक्तिक बुद्धि का कमाल था जो मनुष्य ने प्रकृति के मूल तत्वों, प्रकृति के रहस्यों को समझने, साधने की साधना की। उसी से मानव सभ्यता का हर ओरिजनल काम, ज्ञान, अनुसंधान और निर्माण की नींव बनी। दो टूक सच्चाई है कि तब मनुष्यों की बुद्धि स्वतंत्रता के अनंत में उड़ते हुए थी। इसी के चलते निर्भयी-धुनी-ध्यानी अवस्था में देवर्षि मानवों ने ज्ञान-विज्ञान का चिंतन-मनन किया। यही बाद का अनुभव है। इतिहास का सत्य है कि हर मौलिक उपलब्धि, सृजनात्मक आइडिया वैयक्तिक बुद्धि की मुक्त उड़ान का परिणाम है। इसलिए इस सच्चाई को गांठ बांधे रहना चाहिए कि बुद्धि की वैयक्तिक स्वतंत्रता की अवस्था से ही मनुष्य का मनुष्य होना है। सत्य और विवेक का निर्माण है। मेधा और पुरुषार्थ का विकास है। खुशी और सुख की प्राप्तियां हैं। मनुष्य जीवन की सार्थकता है। ताजा हवा की प्राप्ति है। उसी से उजियारा है। जिज्ञासा, कल्पनाओं, सपनों और बुद्धि का रियल विस्तार है। मनुष्य का होमो सेपयिन से होमो डायस हो सकना संभव है।

मगर दुर्भाग्य और मनुष्य की विनाशक त्रासदी जो मनुष्य की बुद्धि से ही उसकी पराधीनता के आइडिया निकले। जंजीरें बनीं। मनुष्य ने जानवरों के नए रूप जैसे सोशल एनिमल, पोलिटिकल एनिमल, चिड़ियाघरों के एनिमल और गुलाम, यांत्रिक-रोबोट एनिमल जीवन बनाए। इंसान सुपर कंप्यूटर और उसके विशाल सीपीयू का महज एक यांत्रिक न्यूरॉन हो गया!

हां, पिछले पांच हजार वर्षों में बनी मानव सभ्यताओं का सार है कि उनसे मनुष्य यांत्रिक बनता हुआ है। वह समाज, धर्म, राजनीति, व्यवस्थाओं के जंगल का लाचार जैविक कीड़ा है। उसका दिमाग मशीनी सभ्यता के सीपीयू का मानों एक अस्तित्वहीन नैनो चिप है! ...

कानून और बुल़डोजर

क्या कथित दोषियों का अपराध न्याय की मान्य प्रणाली से तय हुआ? क्या भारतीय कानून में संपत्ति पर बुल़डोजर चलाने की सज़ा सूत्रबद्ध है? और क्या बुल़डोजर समान रूप से एक जैसे अपराध में सभी शामिल सभी संप्रदायों के व्यक्तियों पर चल रहे हैं?

बुलडोजर चलने की एक घटना फिर सुर्खियों में है। लेकिन यह ऐसी कोई पहली घटना नहीं है। बल्कि अब यह एक परिघटना या ट्रेंड का रूप ले चुका है। बहुत से लोगों को बुल़डोजर चलते देख खुशी होती है। इसलिए कि जिस समुदाय के प्रति उनके मन में द्वेष भाव भरा गया है, अभी यह उससे जुड़े लोगों पर ही चल रहा है। भावावेश अभी इस हद तक है कि उन्हें यह अहसास नही होता कि बुल़डोजर दरअसल रूल ऑफ लॉ (कानून के राज केस सिद्धांत) को ढाह रहे हैं, जिसका अंतिम परिणाम घोर अराजकता या जिसकी लाठी उसकी भैंस के सिद्धांत से चलने वाले समाज के रूप में सामने आ रहा है। सभ्य समाज बनने के विकासक्रम में रूल ऑफ लॉ सबसे कीमती धारणा रहा है। इसके बिना लोकतंत्र तो दूर- किसी तरह की स्थिरता और शांति की कल्पना नहीं की जा सकती। जिन समाजों में रूल ऑफ लॉ की आधुनिक व्यवस्था नहीं होती है, वे अनिवार्य रूप से दमनकारी होते हैं।

वहां जो समूह दमन का शिकार होते हैं, उनके कभी ना कभी उबल पड़ने की गुंजाइश बनी रहती है। ऐसे समाज में समृद्धि, विकास या सद्भाव की कल्पना भी संभव नहीं है। गौर करने की बात यह है कि जिस रूप में फिलहाल भारत में बुल़डोजर चलाए जा रहे हैं, वे इन तमाम संभावनाओं को ध्वस्त कर रहे हैं। प्रश्न यह नहीं है कि जिनके घरों पर बुल़डोजर चले, वे दोषी हैं या नहीं। प्रश्न यह है कि क्या उनका अपराध न्याय की मान्य प्रणाली से तय हुआ?

क्या भारतीय कानून में संपत्ति पर बुल़डोजर चलाने की सज़ा सूत्रबद्ध है? और क्या बुल़डोजर समान रूप से एक जैसे अपराध में सभी शामिल सभी वर्गों, समुदायों और संप्रदायों के व्यक्तियों पर चल रहे हैं? अगर इन प्रश्नों का उत्तर 'नहीं' है, तो फिर यही कहा जाएगा कि बुल़डोजर न्याय और दंड के आधुनिक विवेक पर चलाए जा रहे हैं। जिस समाज में यह हो रहा हो, वहां कोई सुरक्षित और आश्वस्त नहीं रह सकता।

इसलिए जो लोग आज खुशी हैं, उन्हें याद रखना चाहिए कि उनकी ये खुशी कुछ वक्त की ही बात है।(आरएनएस)(आरएनएस)

'अग्निपथ' आधुनिक सेनाओं में एक आजमाया हुआ मॉडल है

राजेश इस्सर

रक्षा बलों में अग्निवीरों की भर्ती की केंद्र की योजना के विरोध में हिंसा की मात्रा इस सेवा में भर्ती के प्रतिशत के अनुपात से कहीं अधिक है। अब इस बात के सबूत उभरकर सामने आ रहे हैं कि इस तरह की संगठित अशांति के कारण क्या हैं।

वैश्विक शांति सूचकांक की गणना के अनुसार इस तरह के आंदोलन और हिंसा के कारण भारत को 646 अरब अमरीकी डॉलर का नुकसान हुआ है। यह ग्रे जोन वारफेयर की कीमत है, जिससे भारत लड़ रहा है। देश को ऐसे कानून बनाने की जरूरत है जिसके द्वारा आगजनी और तोड़फोड़ में शामिल पाए गए लोगों के विरुद्ध आपराधिक मामलों के अलावा, किसी भी सरकारी नौकरी, सब्सिडी या विशेषाधिकार से जुड़े सभी प्रकार के लाभों से वंचित कर दिया जाए।

यह कैच-दैम-यंग और गंभीर चयन, 4 साल बाद सशस्त्र बलों के लिए मददगार तो होगा, किंतु उन लोगों के लिए नहीं जो केवल सरकारी नौकरी और भविष्य की पेंशन को ध्यान में रखते हैं। आने वाले समय के युद्ध में ऐसे सैनिकों की आवश्यकता है जो बहु-कुशल हैं, सिस्टम की एक प्रणाली में प्रौद्योगिकी के माध्यम से नेटवर्क पर काम करते हैं, और सामान्य रूप से उच्च संज्ञानात्मक क्षमता रखते हैं। यह सशस्त्र बलों की एक युवा प्रोफाइल को सक्षम करेगा।

कारगिल युद्ध और दुनिया भर में अन्य सैनिक कार्रवाइयों ने साबित कर दिया है कि 20 से 30 वर्षकी उम्र की शुरुआत में, शारीरिक क्षमता के अनुसार, जोखिम लेने की प्रवृत्ति और क्षमता सबसे अधिक होती है।

लेह में एओसी के रूप में, मैंने पीएलए (देपसांग और चुमार) के खिलाफ दो बार आमने-सामने का मुकाबला देखा और सियाचिन ग्लेशियर पर वायु सैनिकों की नियमित तैनाती देखी। एलएसी पर युवा सैनिकों ने जीत हासिल की। पुराने सैनिकों की तुलना में उनमें कहीं अधिक प्रेरणा, लचीलापन और शारीरिक क्षमता देखी जाती है। प्रौद्योगिकी की जानकारी रखने वाले युवाओं को शामिल करना बेहतर होगा, क्योंकि इसमें लंबी अवधि के लिए कोई बंधन नहीं है जब तक कि कोई इसका विकल्प नहीं चुनता है। रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सैटेलाइट इमेजरी, लेजर-निर्देशित हथियार आदि के साथ आधुनिक युद्ध हाई-टेक हो गए हैं, जो किसी भी युद्ध-कुशल बल के शस्त्रागार का एक अच्छा हिस्सा हैं।

सेना छोड़ने वाले 75 प्रतिशत युवा राष्ट्र के लिए एक संसाधन होंगे। युवा लोगों को आत्म-अनुशासन, परिश्रम और विशेष ध्यान वाले क्षेत्र के बारे में गहरी समझ होगी और वे अन्य क्षेत्रों में योगदान करने के लिए कुशल होंगे। सेवा छोड़ने के बाद सेवा निधि के रूप में मिलने वाला धन उन्हें स्वरोजगार, कौशल के लिए उच्च शिक्षा जैसे भविष्य के उनके प्रयासों मैं मददगार होगा। अनुशासन के इस आधार को व्यापक बनाकर, कौशल-युक्त और उपयोगी मानसिकता के बल पर आने वाले समय में अपना देश अच्छी स्थिति में होगा।

इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि यह राष्ट्र को समय पर रक्षा बजट से जुड़े तनाव को दूर करने में मददगार है। बजट संबंधी तनाव के कारण आधुनिक युद्ध मशीनों और उपकरणों की खरीद के लिए बहुत ही कम धनराशि बचती है। अनुमान के अनुसार, वार्षिक रक्षा परिव्यय का लगभग 60 प्रतिशत वेतन और पेंशन के एकल शीर्ष के कारण होता है, जो महंगाई सूचकांक के साथ जुड़ाव के कारण उत्तरोत्तर बढ़ता जाता है।

यह कोई अजनबी मॉडल नहीं है, बल्कि दुनिया भर की सभी आधुनिक सेनाओं के साथ आजमाया और परखा गया है। लोग इस योजना पर प्रतिक्रिया के लिए सरकार की संचार रणनीति को दोषी ठहराते हैं। लेकिन यह योजना कुछ समय के लिए खुले डोमेन में थी, आंतरिक नीति-निर्माण संरचनाओं में चर्चा की गई थी, रक्षा मंत्री और तीनों सेना प्रमुखों ने स्वयं रोलआउट के दौरान प्रश्नों का उत्तर दिया, आदि आदि। ऐसा कुछ भी नहीं होता, यदि एक नापाक राजनीतिक टूलकिट की कारगुजारी नहीं होती। इसके लिए अलग तैयारी और हैंडलिंग की आवश्यकता होती है।

(लेखक ने भारतीय वायु सेना में एयर वाइस मार्शल के रूप में सेवा की है)

जियो के नाम पर ठगे ढाई लाख रुपये

संवाददाता

देहरादून। जियो फाईबर इंस्टाल करने के नाम पर ढाई लाख रूपये की ठगी करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बडोवाला शिमला बाईपास निवासी अखिलेश रतूडी ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि 10 जून को उसके मोबाइल पर कॉल आया जिसने अपना परिचय देते हुए बताया था कि वह जियो कम्पनी फाईबर का प्रतिनिधि है। उसके द्वारा पूर्व में जियों फाईबर इंस्टाल करने हेतु आवेदन किया गया था, जिससे उसको उस पर विश्वास हो गया और उसे लगा कि वह जियों फाईबर के प्रतिनिधि से ही बात कर रहा है। उसके द्वारा उसको मोबाईल पर ऐप इंस्टाल कर दस्तावेज अपलोड करने के लिए कहा गया था व उसके द्वारा दिये गये दिशा निर्देशों का पालन करने पर उसके अपने मोबाईल पर उसके पास वर्तमान में उपलब्ध 02 क्रेडिट कार्ड से पैसा कटने के संदेश प्राप्त होने लगे थे। तब उसको एहसास हुआ कि किसी साईबर ठग ने उसके क्रेडिट कार्ड का विवरण प्राप्त कर और उसके मोबाईल पर प्राप्त ओटीपी की जानकारी कर उसके दोनो क्रेडिट कार्डस का प्रयोग कर करीब दो लाख 48,899 रूपये निकाल लिये है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मां की डांट से नाराज किशोरी लापता

संवाददाता

देहरादून। मां की डांट से नाराज होकर किशोरी घर से लापता हो गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सुमननगर धर्मपुर निवासी महिला ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी 17 साल की बेटी शाम के समय लगभग पौने आठ बजे अपने फोन पर किसी से लम्बी बात कर रही थी जिसके कारण उसने उसे डाटा वह बुरा मानकर 5-10 मिनट बाद चुपके से घर से कही चली गई। उसने उसको कई जगह तलाश करी तथा दोस्तों से भी पूछा। लेकिन उसका कुछ पता नहीं चल सका। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मैक्स जीप की चपेट में आकर बाईक सवार की मौत

संवाददाता

देहरादून। मैक्स जीप की चपेट मे आकर मोटरसाईकिल सवार की मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सैनिक कालोनी नकरौंदा निवासी सुनील भटट बाजार से घर की तरफ अपनी मोटरसाईकिल से जा रहा था जब वह नकरौंदा रोड पर पहुंचा तभी पीछे से आ रही मैक्स जीप ने उसको अपनी चपेट में ले लिया जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोगो ने उसको अस्पताल में भर्ती कराया जहां पर उपचार के दौरान उसकी मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मृतक की पत्नी की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

संदिग्ध किरायेदार से 64 लाख की नगदी बरामद

हमारे संवाददाता

रुड़की। रुड़की क्षेत्र के एक गांव में किराए पर रह रहे व्यक्ति के पास से पुलिस ने 64 लाख रुपए बरामद किए हैं। आरोपी मकान खाली करके भाग रहा था तभी पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में वह रूपये कहां से आये इसका संतोषजनक जवाब नहीं दे सका है। मामले की जानकारी पुलिस ने आयकर विभाग को भी दी है।

जानकारी के अनुसार उत्तरकाशी एसओजी ने तीन दिन पहले रुड़की सीआईयू को सूचना दी थी कि उनके क्षेत्र में तेलीवाला पाड़ली गुर्जर गांव में एक व्यक्ति कुछ समय से संदिग्ध हालत में रह रहा है। बीते रोज गंगनहर कोतवाली पुलिस को सूचना मिली कि उक्त संदिग्ध व्यक्ति मकान खाली कर भागने की फिराक में है। मौके पर पहुंची पुलिस को देखकर आरोपी भागने लगा। पुलिस ने उसे दबोच कर तलाशी ली तो उसके पास एक बैग से 64 लाख रुपये बरामद किये गये जिनके बारे में वह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया है। पुलिस के अनुसार आरोपी का नाम शकील है जो ग्राम मन्नावाली कोतवाली देहात बिजनौर उत्तर प्रदेश और हाल निवासी सहारनपुर का बताया जा रहा है।

15 जुलाई तक जन समर्थन अभियान चलाया जाएंगा-चोपडा

संवाददाता

हरिद्वार। लघु व्यापार एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा कि 15 जुलाई तक उत्तराखंड नगरीय फेरी नीति नियमावली को क्रियान्वित करने के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए लघु व्यापारियों को जागरूक कर जन समर्थन अभियान चलाये जाएंगे।

आज यहां फुटपाथ के रेडी पटरी के कारोबारी (स्ट्रीट वेंडर्स) लघु व्यापारियों के सामूहिक संगठन लघु व्यापार एसो. द्वारा चयनित वेंडिंग जोन भगत सिंह चौक, सेक्टर 2 बेरियल के प्रांगण में स्थानीय लघु व्यापारियों की एक आम सभा आहूत की गई। जिसमें मुख्य अतिथि लघु व्यापार एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा थे। आम सभा की अध्यक्षता वरिष्ठ लघु व्यापारी नेता रवि अरोड़ा ने की, संचालन जिला अध्यक्ष राजेंद्र पाल ने किया। आम सभा में तय किया गया आगामी 15 जुलाई तक नगर निगम द्वारा प्रस्तावित सभी 15 वेंडिंग जोनों में स्थानीय कारोबारी लघु व्यापारियों को जागरूक कर प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर योजना, राष्ट्रीय आजीविका मिशन, उत्तराखंड नगरीय फेरी नीति नियमावली को क्रियान्वित करने के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए लघु व्यापारियों को जागरूक कर जन समर्थन अभियान चलाये जाएंगे। इस अवसर पर लघु व्यापार एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा अक्टूबर वर्ष 2021 में सेक्टर टू बैरियल से भगत सिंह चौक तक लगभग 200 रेडी पटरी के (स्ट्रीट वेंडर्स) लघु व्यापारियों को योजनाबद्ध तरीके से न्यू स्मार्ट बाजार के रूप में व्यवस्थित व स्थापित किए जाने को लेकर नगर निगम प्रशासन द्वारा विकसित कर रही कंपनी किरण सॉफ्टवेयर सॉल्यूशन्स के साथ अनुबंध किया जा चुका है।

वही स्थानीय रेडी पटरी के लाभार्थी स्ट्रीट वेंडर्स लघु व्यापारियों का सर्वे भी किया जा चुका है लेकिन नगर निगम की लापरवाही की वजह से वेंडिंग जोन बनाए जाने का लक्ष्य पूरा नहीं किया जा सका है जोकि न्याय संगत नहीं है। उन्होंने कहां भगत सिंह चौक सेक्टर- टू बेरियल, पुल जटवाड़ा दोनों वेंडिंग जोन का सत्यापन की प्रक्रिया को पूरा कर शीघ्र ही मॉडल वेंडिंग जोन स्थापित किए जाने चाहिए ताकि फुटपाथ के कारोबारी रेडी पटरी के (स्ट्रीट वेंडर्स) लघु व्यापारियों को केंद्र और राज्य सरकार के संरक्षण में स्वरोजगार के अवसर प्रदान कर प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर योजना का लाभ लक्ष्य पूर्ति के साथ दिए जाने की मांग को लेकर संघर्ष के माध्यम से दोहराते रहेंगे।

इस अवसर पर लाल चंद गुप्ता, अरविंद पाल, विकास कुमार सक्सेना, रणवीर सिंह, जय भगवान, प्रशांत राय, राजपाल, आकाश चौहान, सुरेंद्र कुमार, मुकेश कश्यप, अनूप सिंह, यामीन अंसारी, तस्लीम अहमद, अकबर खान, आजम अंसारी, विजेंद्र चौधरी, चुन्नू चौधरी, श्रीमती रजनी देवी, श्रीमती आशा शर्मा, सुनीता भारद्वाज, मंजू देवी, कामिनी मिश्रा आदि ने मुख्य रूप से उपस्थित थे।

साईबर ठग ने दोस्त बनकर 98 हजार की चपत लगायी

संवाददाता

देहरादून। साईबर ठग ने दोस्त बनकर खाते में रूपये डालने के नाम पर 98 हजार रूपये उडा दिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नारायण विहार कारगी चौक निवासी शिवानी रावत ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि तीन जून को वह अपने घर पर थी तो उसके मोबाईल पर किसी अज्ञात व्यक्ति मोबाइल नम्बर का कॉल आया जो कि अपने आप को उसका मित्र राजन बता रहा था, और उसने उसको बताया कि उसके खाते की लिमिट खत्म हो गयी है और उसके पैसे आ रहा है जिसे वह अपने खाते में ले लेना। तुमसे बाद में ले लूँगा। जिसके बाद उसने उसको एक लिंक फोन पे के माध्यम से भेजा और कहा कि इसकी रिक्वेस्ट अस्पेट कर लेना। जिसको अस्पेट करते ही उसके एसबीआई खाता से तीन बार में 98 हजार रूपये निकल गये। उसने दोबारा उस नम्बर पर फोन किया तो उसने फोन नहीं उठाया। जिसके बाद उसको अपने साथ ठगी का पता चला। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

विद्युत समस्याओं को लेकर दिया ज्ञापन

संवाददाता

देहरादून। बिजली की समस्या को लेकर ग्रामीणों ने सहायक अभियंता का घेराव कर समस्या के निदान के लिए ज्ञापन सौंपा।

आज यहां चंद्रबनी क्षेत्र के कैलाशपुर पित्तथू वाला खुर्द अमर भारती भूतो वाला धारा वाली, पट्टियों वाला चोयला आदि गांव की बिजली की समस्याओं को लेकर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा विद्युत विभाग के टर्नर रोड स्थित सब स्टेशन सहायक अभियंता को ज्ञापन सौंपा गया जिसमें बताया गया कि सभी क्षेत्रों में लगभग 30 विद्युत पोलों की आवश्यकता है कई क्षेत्रों में अभी तक केबल नहीं डल पाई है कई क्षेत्रों में लंबी केवल हैं जो आए दिन टूटती रहती हैं जिससे लोगों की विद्युत व्यवस्था में व्यवधान उत्पन्न होता है। इसके अलावा नगर निगम द्वारा क्षेत्रों में लगाए गए विद्युत पोलों पर केवल डालने की मांग भी की गई इसके अलावा विभाग द्वारा कई स्थानों पर बॉक्स लगाने की व्यवस्था टूटे पोलो को बदलने की व्यवस्था की मांग भी की गई। इस अवसर पर क्षेत्रीय पार्षद सुखबीर सिंह बुटोला, अनिल, मदन सिंह, राधेश्याम कश्यप, नवीन झा, माधुरी नेगी, शांति देवी, सरादू लाल, संगीता शर्मा, प्रकाश विलोचन प्रसाद शर्मा आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कोरोना से डरे नहीं
सतर्क रहें, सुरक्षित रहें

एक नजर

ईडी ने शिवसेना सांसद संजय राउत को भेजा समन

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में जारी सियासी संकट के बीच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शिवसेना सांसद संजय राउत को समन भेजा है। पात्रा चॉल जमीन घोटाला को लेकर संजय राउत को कल २८ जून को पूछताछ के लिए बुलाया है। मुंबई के गोरेगांव इलाके में पात्रा चॉल है। यह महाराष्ट्र हाउसिंग एंड एरिया डेवेलपमेंट अथॉरिटी का प्लॉट है। पात्रा चॉल जमीन मामले में करीब १०३४ करोड़ के घोटाले का आरोप है। इस मामले में शिवसेना सांसद संजय राउत के सहयोगी प्रवीन राउत की ६ करोड़ रुपये और संजय राउत की पत्नी वर्षा की २ करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त हो चुकी है। ईडी प्रवीन राउत को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। प्रवीन पर आरोप है कि उन्होंने चॉल में रह रहे लोगों से धोखाधड़ी की। रिपोर्ट के मुताबिक, गुरु आशीष कंस्ट्रक्शन को पात्रा चॉल के ३००० फ्लैट को डेवलप करने का काम मिला था। इनमें से ६७२ फ्लैट यहां रहने वालों को देना था। बाकी फ्लैट्स महाराष्ट्र हाउसिंग एंड एरिया डेवेलपमेंट अथॉरिटी और डेवलपर के बीच में बांटे जाने थे।

बीएसएफ ने इंटरनेशनल बॉर्डर पर किया एक घुसपैठिया ढेर

जम्मू। अमरनाथ यात्रा से तीन दिन पहले, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने जम्मू–कश्मीर में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को मार गिराया। बीएसएफ ने बताया कि रविवार आधी रात के बाद करीब १२.१० बजे बीएसएफ के जवानों ने बॉर्डर आउट पोस्ट (बीओपी) बकारपुर के सामान्य इलाके में बाड़ के पार संदिग्ध गतिविधियां देखीं, इसके बाद एक शख्स को देखा गया। रूकने की चेतावनी को शख्स ने अनसुना किया, जिसके बाद बीएसएफ की ओर से फायरिंग की गई और इंटरनेशनल बॉर्डर पर घुसपैठ की ताक में संदग्ध शख्स ढेर हो गया। सोमवार सुबह जारी बीएसएफ के बयान में कहा गया, ष्हमारी डॉमिनेशन पार्टी ने रात में एक व्यक्ति को पाकिस्तान की ओर से आक्रामक तरीके से बाड़ को पार करने के इरादे से बाड़ की ओर आते देखा। बीएसएफ पार्टी ने उसे रोकने के लिए चुनौती दी, लेकिन उसने इस पर ध्यान नहीं दिया और बाड़ की ओर बढ़ना जारी रखा। चेतावनी अनसुनी करने के बाद बीएसएफ के पास कोई विकल्प नहीं बचा था। ऐसे में बीएसएफ जवानों ने घुसपैठिए पर तीन राउंड फायरिंग की। गोली लगने पर घुसपैठिया इंटरनेशनल बॉर्डर की बाड़ के पास ढेर हो गया।

पंजाब में 1 जुलाई से लोगों को मिलेगी मुफ्त बिजली

चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी की सरकार ने पंजाब विधानसभा सत्र के दौरान अपनी कई लोकलुभावनी योजनाओं को लागू कर दिया। आज राज्य विधानसभा में वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने घोषणा की कि १ जुलाई से लोगों को मुफ्त बिजली मिलने लगेगी। उन्होंने कहा कि, महिलाओं को आर्थिक मदद देने का वादा भी पूरा किया जाएगा। उन्होंने वार्षिक बजट पेश करते हुए कसीदे भी पढ़े। वित्त मंत्री ने जैसे ही मुफ्त बिजली का वादा पूरा करने की बात कही, आप के विधायकों ने उनकी सराहना की। इस दौरान विपक्ष शांत रहा। बीते २३ जून को पंजाब विधानसभा का बजट सत्र शुरू हुआ था। वित्त मंत्री ने बताया था कि, सूबे में वह पहला पेपरलैस बजट पेश करेंगे। आज उन्होंने टैबलेट के जरिए बजट पेश किया। अब अपनी योजनाओं का लेखा–जोखा दिखाने के अलावा मान सरकार कई नए विधेयक भी पेश करेगी। सरकार के एक विधायक ने कहा कि, हमारी सरकार इस सत्र में बजट पेश करने के साथ ही कई नए विधेयक भी पेश करेगी। मान सरकार द्वारा प्रदेश के ३६ हजार अस्थाई कर्मचारियों को परमानेंट करने का बिल भी लाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि, सरकार एक विधायक, एक पेंशन और ग्रामीण विकास फंड में संशोधन का बिल भी पेश कर सकती है।

अग्निपथ के विरोध में कांग्रेस का राज्यव्यापी सत्याग्रह

अग्निपथ युवाओं से धोखाः कांग्रेस

विशेष संवाददाता

देहरादून। अग्निपथ योजना के विरोध में आज प्रदेश कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने सभी जिलों और सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में धरना प्रदर्शन और सत्याग्रह किया। तथा योजना को राष्ट्र विरोधी और युवा विरोधी बताते हुए इसे वापस लेने की मांग की।

अग्निपथ योजना के विरोध में कांग्रेसी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने आज स्थानीय गांधी पार्क में महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने धरने पर बैठकर सत्याग्रह किया जिसमें पार्टी के तमाम बड़े नेता भी मौजूद रहे। इस अवसर पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने कहा कि केंद्र सरकार अग्निपथ योजना के जरिए देश की सेनाओं को कमजोर करने का काम कर रही है तथा युवाओं को 4 साल का रोजगार देकर उनके साथ बड़ा छलावा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हर साल 2 करोड़ लोगों को रोजगार देने का देश से वायदा करने वाले प्रधानमंत्री मोदी व भाजपा सरकार जब युवाओं को रोजगार

❑भारतीय सेना को कमजोर करने की योजना

नहीं दे सकी और जब उनका विरोध होने लगा तो सरकार ने युवाओं को धोखा देने के लिए अग्निपथ योजना लाई गई है।

उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा के साथ यह खिलवाड़ है, इससे भारतीय सेनाएं कमजोर होगी। वही 4 साल रोजगार पाने वाले युवा इसके बाद क्या करेंगे इस पर कोई विचार नहीं किया गया है। उनका कहना है कि यह बेरोजगारों को रोजगार देना नहीं है उन्हें धोखा देना है उन्होंने कहा कि सत्ता बल से सरकार अपने फैसले मनवाना चाहती है। जो गलत है सरकार को अपना निर्णय थोपने की बजाए युवाओं से भी उनके मन की बात पूछनी चाहिए कि वह क्या चाहते हैं?

इस मुद्दे को लेकर आज नैनीताल, हल्द्वानी से लेकर अल्मोड़ा और पिथौरागढ़ तक सभी 13 जिलों और सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने धरने प्रदर्शन किए और सरकार को चेतावनी दी कि अगर सरकार अग्निपथ योजना को वापस नहीं लेती है तो सरकार के खिलाफ कांग्रेस का सत्याग्रह जारी रहेगा। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि जब यह युवा 4 साल के बाद फिर बेरोजगार होकर समाज में लौटेंगे तो हथियारों की ट्रेनिंग से लैस यह युवा समाज के लिए बड़ी समस्या बन सकते हैं। कांग्रेस का कहना है कि अग्नि वीरों को सरकारी सेवाओं में प्राथमिकता की बात कोई रोजगार की गारंटी नहीं है। यह युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ है।

पुलिसकर्मी की सड़क दुर्घटना में मौत

देहरादून (हसं)। सड़क दुर्घटना में देर रात बाइक सवार उत्तराखण्ड पुलिस का एक जवान गम्भीर रूप से घायल हो गया। जिन्हे अस्पताल पहुंचाया गया,जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गयी है। जानकारी के अनुसार देहरादून पुलिस लाइन में आरक्षी के पद पर तैनात राकेश राठौर अपनी बाइक से देर रात लगभग ढाई बजे डोईवाला की ओर से देहरादून आ रहे थे। इस दौरान जब वह हर्रावाला के समीप पहुंचे तो उनकी बाइक अज्ञात कारणों से अनियंत्रित हो गयी और वह गम्भीर रूप से घायल हो गये। जिन्हे अस्पताल पहुंचाया गया जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गयी। राकेश राठौर 2001 बैच के थे जिनकी मौत से पुलिस महकमें में शोक की लहर है।

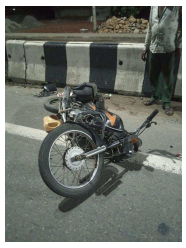

मानसून की आहट के..

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

श्रद्धालु बाबा के दर्शन कर रहे हैं उधर बद्रीनाथ धाम और हेमकुंड साहिब में भी बारिश होने की खबर है। बदरीनाथ हाईवे पर पागलनाला के पास पहाड़ गिरने से बाधित हुए रास्ते को खोल दिया गया है।

आज राजधानी दून सहित राज्य के कई हिस्सों में हल्की बारिश हो रही है तथा आसमान पर बादल छाए हुए हैं। मौसम विभाग का कहना है कि कल बारिश का असर और बढ़ेगा तथा 29 तक राज्य में भारी बारिश होगी। किसी भी अनहोनी से निपटने की तैयारियों में शासन–प्रशासन जुटा हुआ है।

नाबालिग भतीजी से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

हरिद्वार (हसं)। नाबालिक भतीजी से दुष्कर्म मामले में पुलिस ने कार्यवाही करते हुए वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेजा जा रहा है।

जानकारी के अनुसार ज्वालापुर कोतवाली क्षेत्र की एक महिला ने बीते रोज कोतवाली ज्वालापुर में तहरीर देकर बताया गया था कि ईद से 5 दिन बाद उसकी पुत्री को रिश्ते का चाचा महफूज पुत्र फारूक निवासी काजी कॉलोनी ज्वालापुर डरा ध मकाकर अपने साथ ले गया, जहा उसने उसकी पुत्री के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया।

महिला की शिकायत पर पुलिस ने कार्यवाही करते हुए पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज करते हुए उसकी तलाश शुरू कर दी गयी थी। जिसे पुलिस ने आज दोपहर एक सूचना के बाद गिरफ्तार कर लिया है। जिसे पुलिस द्वारा न्यायालय में पेश कर जेल भेजा जा रहा है।

आपसी विवाद में दबंगों ने मारी बुजुर्ग को गोली, गम्भीर घायल

हमारे संवाददाता

अल्मोड़ा। जिले के मजखाली गांव में बीती रात हुए आपसी विवाद के चलते कुछ दबंगों द्वारा बुर्जुग को गोली मार दी गयी। गोली लगने से घायल हुए बुजुर्ग को अस्पताल पहुंचाया गया जहां से उन्हे हल्द्वानी रैफर कर दिया गया है। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर पड़ताल शुरू कर दी गयी है।

जानकारी के अनुसार मजखाली गांव निवासी बुजुर्ग किशन सिंह अधिकारी के आवास पर बीती रात कुछ लोग घुस आये। बताया जा रहा है कि इन दबंग लोगों का किसी मामले को लेकर बुजुर्ग से विवाद हो गया। विवाद के दौरान स्थिति इतनी बिगड़ गयी कि दबंगों ने बुजुर्ग किशन सिंह अधिकारी पर फायर झौंक दिये। जिससे बुजुर्ग के सिर व सीने में गम्भीर चोटें आयी है। बताया जा रहा है कि बुजुर्ग को अस्पताल पहुंचाया गया जहां से उन्हे हल्द्वानी रैफर कर दिया गया है। वहीं सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर पड़ताल शुरू कर दी गयी है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।